bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org
संवत 2081 युगाब्द 5126 कुल पृष्ठ–32 नवम्बर प्रथम 2024, वर्ष –36 : अंक –07

वर्तमान कमल ज्योति

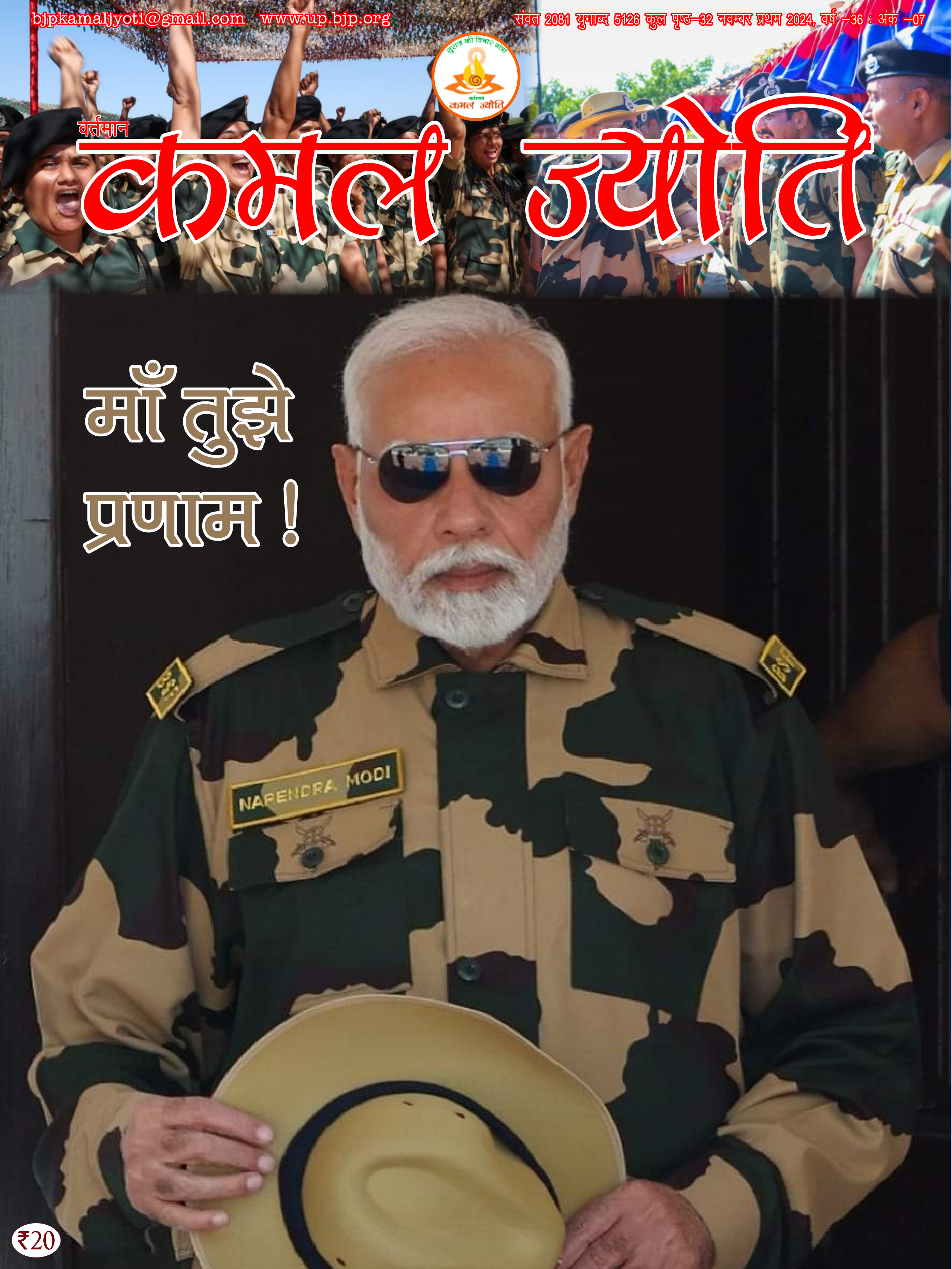

माँ तुझे प्रणाम !

₹20

विधानसभा क्षेत्र - फूलपुर, प्रयागराज

भाजपा - राष्ट्रीय लोकदल 16-मीरापुर विधानसभा में
बूथ अध्यक्ष सम्मेलन
दिनांक : 4 नवम्बर 2024
चुनाव चिन्ह
हैंडपम्प (नल)

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन
277-विधानसभा कटेहरी
अम्बेडकरनगर
मुख्य अतिथि
मा. धर्मपाल जी
प्रदेश महामंत्री संगठन भारतीय जनता पार्टी, उ.प्र.

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध/कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
Vartman Kamaljyoti
@bjpkamaljyoti

वीर शिवा को कोटिशः नमन्!

कार्तिक पूर्णिमा प्रकाशोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें।

सम्पादकीय

एकात्मता का महामंत्र 'एक रहेंगे, सेफ रहेंगे'

'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' का नारा राष्ट्रीय एकात्मता का महामंत्र है। भाजपा एकता समरसता, विकास की सदैव पोषक रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय संदर्भ में जब कहते हैं कि 'आप जातियों में टूटेंगे तो आदिवासियों की ताकत कम हो जाएगी। आज कल चुनावी सभाओं में तर्क–वितर्क चल रहे हैं कि ''एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे? झारखण्ड की सभाओं में पीएम मोदी ने कहा– 'जेएमएम और कांग्रेस ने झारखंड को हमेशा पिछड़ा रखा है। लेकिन भाजपा–एनडीए ने झारखंड को देश के विकास से जुड़ी बड़ी–बड़ी योजनाओं का केंद्र बनाया है। भाजपा–एनडीए की सरकार, सबका साथ–सबका विकास के मूलमंत्र पर चल रही है। इसी रास्ते पर चलकर, झारखंड विकसित होगा, भारत विकसित होगा। 'जेएमएम और कांग्रेस के इरादे कुछ अलग ही हैं। कांग्रेस जानती है कि आदिवासी, ओबीसी, दलित बाहुल्य वाले राज्यों में वो इसलिए खत्म हो गई क्योंकि वहां ये समाज एकजुट हो गया। इसलिए कांग्रेस का शाही परिवार हमारे एससी, एसटी और ओबीसी समाज की एकता को तोड़ना चाहता है। ये लोग एससी, एसटी और ओबीसी को मिला आरक्षण छीनना चाहते हैं।कांग्रेस एससी–एसटी–ओबीसी की एकजुटता की विरोधी,कांग्रेस शुरू से एससी, एसटी, ओबीसी की एकजुटता की विरोधी रही है। इस देश में आजादी के बाद जब तक दलित और आदिवासी, ओबीसी बिखरे रहे, तब तक कांग्रेस 'बांटो और राज करो' की नीति से सरकारें बनाती रहीं और लूटती रही। जैसे ही समाज एकजुट हुआ, कांग्रेस कभी बहुमत की सरकार नहीं बना पाई। 1990 में ओबीसी को आरक्षण मिला और यह पूरा समाज एकजुट हुआ, तो कांग्रेस आज तक लोकसभा में कभी 250 सीटें भी नहीं जीत पाई। इसलिए कांग्रेस ओबीसी की सभी जातियों की ताकत को तोड़ना चाहती है और उन्हें सैकड़ों अलग–अलग जातियों में बांट देना चाहती है।

आजादी के बाद भारत अनेक मत, पंथ, सम्प्रदायों मे बँटने के बाद भी सांस्कृतिक रूप से एक रहा ''**अलग भाषा, अलग वेश, फिर भी अपना एक देश**'' की सोंच परम्परा भारत को विश्व गुरू बनायी थी। आज देश विरोधी ताकते भाषा, क्षेत्र, जाति, सम्प्रदाय के नाम पर बांट कर वोट लेना चाहती है। जो राष्ट्रीय एकात्मता के लिए घातक है।

आज भारत दुनिया में पुनः वैश्विक ताकत के रूप में उभर रहा है तो उसका मूल मंत्र उसकी सामूहिक ताकत का ही परिणाम है। जिसे क्षेत्रीय राजनैतिक दल बाँटना चाहते हैं। गाँवों में कहते हैं ''**घर फूटे, गँवार लूटे**'' वैसे ही आज झूठी बातों में बहका कर कुछ तथाकथित ताकते देश को तोड़ना चाहती है। जिसे देश की जनता समझती है और वह पुनः गुलामी के दिनों को लौटाना नहीं चाहती है। आइये मिलकर भारत माता की जय करें।

राजकुमार

आदिवासी भाई-बहनों की आकांक्षा और उनका स्वाभिमान हमेशा सर्वोपरि: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड में जनसभाओं को संबोधित किया। गढ़वा में लोगों की भारी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले 25 वर्ष देश और झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। झारखंड में बेहतर सुविधाओं और यहां के किसानों और उद्योगों को मजबूती देने के लिए केंद्र सरकार ने अपनी तरफ से ईमानदार कोशिश की है। राज्य में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद यहां भी विकास डबल तेजी से होने वाला है।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा, झारखंड की सुविधा, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि की गारंटी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। भाजपा का संकल्प पत्र रोटी, बेटी और माटी के सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। माताओं–बहनों–बेटियों के लिए अनेक संकल्प लिए गए हैं, जिससे उनका जीवन आसान होने वाला है।

एक तरफ भाजपा का गारंटी पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड है। वहीं दूसरी तरफ JMM–कांग्रेस–RJD सरकार के झूठे वायदे हैं। इन दलों की चुनावी घोषणाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग नकल तो कर सकते हैं, लेकिन भाजपा की नेक–नीयत कहां से लाएंगे?

पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत झारखंड में 16 लाख गरीबों के घर बनाए हैं। जिनके पास पक्के घर नहीं थे, ऐसे SC, ST और गरीब परिवारों का घर का सपना पूरा हुआ है। अपनी जनसभा को लेकर उन्होंने कहा कि गढ़वा के लोगों का प्यार और आशीर्वाद पाने कि लिए भी नसीब चाहिए। ये नसीब मोदी को मिला है। वहीं झारखंड के नौजवानों के टैलेंट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनमें टैलेंट की कमी नहीं है। लेकिन JMM–कांग्रेस–RJD ने झारखंड के युवाओं के साथ भी धोखा ही किया। बीते 5 वर्षों में झारखंड के नौजवानों के साथ क्या–क्या हुआ, ये भी आपने देखा है। वोट के लिए उनसे झूठा वादा किया गया, लेकिन अब ऐसे लोगों को सजा देने का वक्त है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड में भर्तियों में धांधली, पेपर लीक उद्योग बन चुके हैं। लेकिन अब भाजपा ने इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया है। झारखंड में भाजपा सरकार बनने के बाद 3 लाख सरकारी पदों को पारदर्शी तरीके से भरा जाएगा, उन्होंने युवाओं को युवा साथी भत्ता देने और पेपर लीक माफिया पर भी लगाम लगाने का ऐलान किया। पीएम ने कहा कि किसानों का हित और उनकी आय बढ़ाना, भाजपा की प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए झारखंड भाजपा ने धान की सरकारी खरीद, 3100 रुपए प्रति क्विंटल करने का भी फैसला लिया है। इसके साथ ही आदिवासी परिवारों की आजीविका बढ़ाने के लिए भी अनेक अच्छी घोषणाएं की गई हैं। 'मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इन्हें पूरा करने के लिए भाजपा–NDA सरकार पूरी ताकत से काम करेगी। ये मोदी की आपको गारंटी है'। पीएम मोदी ने कहा कि आजकल अफवाहें फैलाने का एक बड़ा उद्योग चल पड़ा है। कुछ लोग भांति–भांति की दुकानें

खोलकर बैठे हैं और वो अफवाह फैलाने का माल बेच रहे हैं। आजादी के बाद से ही झूठ और जनता से धोखा, कांग्रेस की राजनीति का बहुत बड़ा आधार रहा है। लेकिन कांग्रेस और उसके साथी जहां–जहां भी झूठ बोलकर सत्ता में आए हैं, उस राज्य को उन्होंने बर्बाद कर दिया है। अब तो कांग्रेस के अध्यक्ष ने भी मान लिया है कि कांग्रेस झूठी गारंटी देती है। इसलिए आपको कांग्रेस और उसके साथियों की घोषणाओं पर कभी भरोसा नहीं करना है। परिवारवाद और भ्रष्टाचार को लेकर भी उन्होंने JMM, कांग्रेस और RJD पर निशाना साधा और कहा कि इससे सबसे ज्यादा परेशान राज्य के गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासी हुए हैं।

पीएम मोदी ने गढ़वा में पानी की किल्लत का जिक्र करते हुए कहा कि दिल में कुछ करने का जज्बा हो, तो ये समस्या दूर हो सकती है। जनभागीदारी से वर्षा की एक–एक बूंद बचाकर इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। अपने एक वोट से उखाड़ फेंकना है।

झारखंड के चाईबासा में अपनी दूसरी रैली में प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा के लिए अपने आदिवासी भाई–बहनों की आकांक्षा, उनका स्वाभिमान हमेशा सर्वोपरि रहा है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में आदिवासी समाज के योगदान को देश–दुनिया के सामने रखने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। 15 नवंबर से धरती आबा की डेढ़ सौवीं जन्मजयंति के उत्सव शुरु होने वाले हैं, आने वाले 2 सालों तक ये उत्सव देशभर में चलेगा।

पीएम मोदी ने कांग्रेस और RJD को सबसे बड़ा आदिवासी विरोधी बताते हुए कहा कि कांग्रेस के दामन पर आदिवासियों के खून के छींटे हैं। लेकिन आज JMM उसी के कंधे के सहारे सरकार चला रही है। JMM ने सत्ता के लालच में उन्हीं को गले लगा लिया। झारखंड राज्य के लिए अपना बलिदान देने वालों का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता।

प्रधानमंत्री बालू माफिया को लेकर भी झारखंड की सरकार पर जमकर बरसे और कहा कि यहां की सरकार माफिया की गुलाम बनी हुई है। जनता पलायन के लिए मजबूर है और ये लोग सरकारी ठेकों में बंदरबांट करने में व्यस्त हैं। यहां हर काम–धंधा बंद होता जा रहा है, लेकिन ट्रांस्फर–पोस्टिंग का धंधा खूब फल–फूल रहा है। इसलिए आपको याद रखना है कि JMM–कांग्रेस–RJD ने जो माफिया तंत्र बनाया है, भाजपा–NDA को दिया आपका हर वोट उस पर चोट करेगा।

JMM–कांग्रेस–RJD के तुष्टिकरण का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये तीनों दल राज्य का सामाजिक ताना–बाना तोड़ने पर आमादा हैं। ये तीनों दल घुसपैठिया समर्थक हैं, जो आदिवासी समाज और देश की सुरक्षा, दोनों के लिए बड़ा खतरा है। इसलिए इस घुसपैठिया गठबंधन को संकल्प पत्र का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि भाजपा–NDA की हर योजना के केंद्र में माताएं–बहनें ही रहती हैं। इसलिए उन्हें खुशी है कि झारखंड भाजपा ने महिलाओं को सशक्त करने वाला संकल्प पत्र जारी किया है। उन्होंने गोगो दीदी योजना का भी जिक्र किया और कहा कि सशक्त नारी, विकसित भारत और विकसित झारखंड का मार्ग सशक्त करेगी।

आरक्षण का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी परिवार हमेशा से आरक्षण के खिलाफ रहा है। अब एक बार फिर इन लोगों ने खुला ऐलान कर दिया है कि आदिवासियों को मिलने वाले आरक्षण को समाप्त कर देंगे। आदिवासियों से आरक्षण का अधिकार छीनकर ये लोग उसे अपने वोटबैंक को दे रहे हैं। कांग्रेस और उसके साथियों की इस साजिश से भी आपको सावधान रहना है।

रोटी, बेटी, माटी पर खतरा : शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने रांची में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र का विमोचन किया और झारखंड में भाजपा–नीत सरकार बनने पर झारखंड के विकास का रोडमैप जनता के सामने रखा। उन्होंने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में झारखंड के लिए किये गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए झामुमो, कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन पर अवैध घुसपैठ, भ्रष्टाचार, बढ़ते अपराध, आदिवासियों की सुरक्षा और झारखंड में डेमोग्राफी चेंज को लेकर जोरदार हमला बोला। कार्यक्रम में मंच पर झारखंड प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी एवं असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वासरमा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत वाजपेयी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र राय, केंद्रीय मंत्री श्री संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा सहित अन्य प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि झारखंड का आगामी विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने के चुनाव नहीं, बल्कि झारखंड के भविष्य को सुनिश्चित करने का चुनाव है। झारखंड की जनता को यह तय करना है कि उन्हें आकंठ भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार चाहिए या माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास के पथ पर चलने वाली भाजपा सरकार चाहिए। झारखंड में घुसपैठ करवाकर रोटी, बेटी और माटी को खतरे में डालने वाली सरकार चाहिए या परिंदा भी पैर न मार सके, ऐसी सरहद की सुरक्षा करने वाली भाजपा सरकार चाहिए। बेरोजगारी और पेपरलीक से त्रस्त युवा, भारतीय जनता पार्टी की ओर आशान्वित दृष्टि से देख रहा है। झारखंड की जनता गरीबों के विकास का धन अपने परिवार और करीबियों में बांटने वालों के स्थान पर, गरीब कल्याण करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चुनने जा रही है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए अपना संकल्प पत्र जारी किया है। भारतीय जनता पार्टी अन्य पार्टियों की तरह केवल घोषणाएँ नहीं करती, बल्कि संकल्प लेकर उन्हें पूर्ण करती है। भाजपा देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, 'जो कहती है, वो करती है।' भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों का इतिहास रहा है, जब–जब भारतीय जनता पार्टी सरकार में आई, उसने अपने सभी संकल्पों को पूरा किया। झारखंड में गरीब, पिछड़े वर्ग, आदिवासी, दलित और शहर के लोग, भाजपा के संकल्प पत्र को बड़ी उम्मीद के साथ देख रहे हैं। वह चाहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी के संकल्पों में, उनकी आशाओं का प्रतिबोध हो। भाजपा ने करोड़ों झारखंडवासियों की चिंता कर, इस संकल्प पत्र की रचना की है। यह संकल्प पत्र केवल भाजपा का नहीं, बल्कि करोड़ों झारखंडवासियों की आशाओं और उम्मीदों का प्रतिघोष है। इस संकल्प पत्र में विरासत को संजोए रखने का दृढ़ संकल्प, कुशासन और भ्रष्टाचार को अंत करने की इच्छा, गरीब कल्याण, सरहदों की सुरक्षा, रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा का प्रतिबिंब है। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहार वाजपेयी जी ने झारखंड राज्य बनाया था और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने झारखंड को सँवारने का कार्य किया। 5 वर्ष पहले झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार आई, जिसने भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा शुरू की गई सभी योजनाओं को ठप कर दिया। भारतीय जनता पार्टी एक नई उम्मीद के साथ झारखंड की जनता के पास जा रही है। भाजपा झारखंड के विकास, सुरक्षा और भ्रष्टाचार का उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करेगी।

श्री शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार में झारखंड के आदिवासी सुरक्षित नहीं रहा, संथाल परगना में हमारे आदिवासी साथियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। बाहरी घूसपैठिए हमारी झारखंड की बहनों को गुमराह करके उनसे शादी कर उनकी ज़मीनों पर कब्जा कर रहे है, और अगर ये समस्या समय रहते ठीक नहीं की जाती है तो न ही झारखंड की संस्कृति, रोजगार, भूमि बचेगी और न ही हमारी बहन बेटियां सुरक्षित हो

हेमंत सोरेन सरकार ने झारखंड में घुसपैठ करवाकर रोटी, बेटी और माटी को खतरे में डाला। झारखंड में भाजपा का संकल्प, माटी, रोटी और बेटी को सुरक्षित करना है

महसूस कर सकेगी। इसलिए भारतीय जनता पार्टी आज झारखंड में अपने चुनावी संकल्प पत्र के तहत झारखंड में माटी,रोटी और बेटी को सुरक्षित करने का नारा लेकर आगे बढ़ने का संकल्प ले रही है। भाजपा ने झारखंड के ऐतिहासिक धरोहर और विरासत को आगे लेकर चलने का काम किया है जिसकी शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा ने शुरू की थी देश की सुरक्षा के लिए जिसके तहत भाजपा अब इसे माटी, रोटी, बेटी की सुरक्षा और आदिवासी सम्मान के साथ जोड़ के चलने का दृढ़निश्चय भारतीय जनता पार्टी ने किया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं वर्षगांठ को पूरा देश इस बार पूरे धूम–धाम से जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाएगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पिछड़े वर्ग को भाजपा ने सम्मानित करने का काम किया है जबकि काका साहेब करलेकर रिपोर्ट से लेकर मंडल आयोग तक का उदाहरण रहा है कि कांग्रेस पार्टी पिछड़ा विरोधी पार्टी रही है। इन्होंने कभी भी पिछड़े वर्ग के लिए कुछ नहीं किया इससे अलग कांग्रेस पार्टी का एक और चेहरा रहा है की इन्होंने पिछड़े वर्ग को हमेशा आरक्षण से वंचित रखा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक मान्यता देकर पिछड़े वर्ग को सम्मानित करने का कार्य किया है। मोदी जी की सरकार ने केंद्र की सारी शिक्षण संस्थानों में पिछड़े वर्ग के लिए 27% आरक्षण सुनिश्चित किया है एवं हमारी सरकार पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए कई अन्य योजनाएं भी चला रही है। आज देश के लिए गौरव की बात है की देश के आदिवासी समाज से आने वाली देश की आदिवासी बेटी आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी देश की राष्ट्रपति है। श्रीमती मुर्मू जी पहले झारखंड की राज्यपाल रह चुकी है और पूरे गौरव के साथ अब देश की राष्ट्रपति है। चाहे राज्य में किसी की भी सरकार हो लेकिन आदरणीय मोदी जी की केंद्र सरकार की तरफ से झारखंड के विकास के लिए कोई कमी नहीं रही है। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक चुनावी सभा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से 1 लाख करोड़ रुपए का हिसाब मांग रहे थे जो केवल हास्यास्पद ही है, क्योंकि मोदी जी के किए विकास कार्यों का पूरा हिसाब मौजूद है, लेकिन असली हिसाब हेमंत सोरेन को देना है झारखंड की जनता को।

हेमंत सोरेन सरकार, देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। हेमंत सोरेन ने झारखंड को बर्बाद करके रख दिया है।

श्री शाह ने झारखंड सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि आज हेमंत सोरेन जिस कांग्रेस पार्टी और लालू प्रसाद यादव की गोद में बैठी है उसी कांग्रेस पार्टी की यूपीए ने वर्ष 2004 से वर्ष 2014 तक 10 वर्ष केंद्र में रहकर झारखंड राज्य के लिए विकास योजनाओं एवं ग्रांट एंड ऐड के माध्यम से राज्य को केवल 84 हज़ार करोड़ रुपए दिए थे जबकि आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2014 से 2024 तक झारखंड के विकास के लिए 3 लाख 8 हजार करोड़ रुपए दिए है, इसके अलावा 81 हज़ार करोड़ रुपए राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए, 15 हज़ार करोड़ रुपए सड़कों के निर्माण में, 65 हज़ार करोड़ रुपए रेलवे के विकास के लिए दिया है। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा राज्य के 65 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, राज्य को 9 वंदे भारत ट्रेन दि गई है, रांची–जमशेदपुर इंटरकॉरिडर का निर्माण किया जा रहा है। देवघर, बोकारो और जमशेदपुर में हवाई अड्डों का निर्माण किया जा रहा है। सबका साथ –सबका विकास के सूत्रधारक आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के इकलौते प्रधानमंत्री है जिन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के गाँव में जाकर धरती आभा को प्रणाम किया है। झारखंड राज्य से हि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश भर के गरीबों के लिए कल्याणकारी योजना आयुष्मान भारत योजना को लॉन्च किया, मुद्रा योजना को हरी झंडी दिखाई, सालों से पिछड़ी आदिवासी जातियों के लिए भगवान बिरसा मुंडा के गाँव से पीएम जनमन योजना को शुरू किया। रांची में आईआईएम का उद्घघाटन हुआ है, झारखंड में ट्रिपल आईटी की आधारशिला रखी गई है, प्रसाद योजना के अंतर्गत बाबा बैदहनाथ धाम को लाया गया है। 17 जिलों में विश्वकर्मा योजना से कौशल और वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है और इसी तरह देश भर के जरूरतमंदों को केंद्र की मोदी सरकार घर, जल, गैस कनेक्शन, 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा सहित मुफ़्त अनाज दे रही है। जिसमें सबसे बड़ा भागीदार हमारा झारखंड राज्य है, जहां 70 प्रतिशत की जनसंख्या केंद्र की योजनाओं का लाभ उठा रही है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 5 वर्षों तक झारखंड राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार रही, लेकिन विकास करने के बजाए उनके किये कृत्यों से राज्य की जनता आक्रोशित है। राज्य में महिलाओं का अपमान, महिलाओं की दुर्दशा के लिए कोई जिम्मेदार है तो वे हेमंत सोरेन है। नाबालिग बहन बेटियों की तस्करी एवं महिलाओं के अपहरण मामले में झारखंड राज्य देश में दूसरे नंबर पर है। वर्ष 2017 में जब भाजपा ने झारखंड का शासन छोड़ा तबसे हेमंत सोरेन के राज्य में महिलाओं से संबंधित अपराध में 29% प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है, बलात्कार के मामलों में 42% की वृद्धि हुई है, जो ये सबूत है की महिलाओं की सुरक्षा करने में हेमंत सरकार पूरी तरह फेल रही है। वर्ष 2017 तक भाजपा की राज्य सरकार मात्र 1 रुपए में महिलाओं के लिए

50 लाख रुपए तक की रेजिस्ट्री करती थी उसको भी हेमंत सरकार ने बंद कर दिया, लेकिन भाजपा उस योजना को पुनः शुरू करेगी। इन सभी मुद्दों से अलग एक अहम जबाव हेमंत सोरेन को देना है। अंकिता हत्याकांड ने पूरे राज्य की महिलाओं और बेटियों को अंदर से झंझोर के रख दिया था लेकिन हेमंत सोरेन सरकार ने कुछ भी नहीं किया। राज्य में घुसपैठिए हमारी बहन–बेटियों के साथ दूसरी–तीसरी शादी कर उनके अधिकारों का हनन कर रहे है उनकी जमीन हड़प रहे है, लेकिन हेमंत सोरेन ने वोट बैंक के कारण अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं। झारखंड उच्च न्यायालय ने हेमंत सोरेन को घुसपैठियों को चिह्नित कर डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करने के आदेश दिए थे लेकिन झारखंड की सरकार मना कर देती है। भारतीय जनता पार्टी आज ये आह्वान करती है की जब झारखंड राज्य में भाजपा की सरकार बन जाएगी तो एक–एक घुसपैठिए को हम निकालेंगे। जो घुसपैठिए जमीन हड़पे बैठे हुए हैं, उनसे भी कानूनी माध्यम से जमीन भेंट एवं दान को लेकर एक कानून बनाएंगे, ऐसे कृत्यों को प्रतिबंधित करेंगे और उन हड़पी हुई जमीनों को पुनः हमारी बहन–बेटियों को लौटाएंगे।

श्री शाह ने कहा कि हेमंत सोरेन ने युवाओं को प्रतिवर्ष 5 लाख नौकरी देने का वादा किया था, 25 लाख रोजगार तो दूर वे 5 लाख रोजगार ही दिखा दे, आज राज्य का युवा आक्रोशित है और उन्हे ढूंढ रहा है। चुनाव के समय हेमंत सोरेन ने कहा था अगर वे सालाना 5 लाख नौकरियां नहीं देंगे तो इस्तीफा देंगे, लेकिन इस्तीफा तो छोड़िए उन्हे जेल जाने के कारण इस्तीफा देना पड़ा और वापस आकार श्री चंपई सोरेन को पद से हटाकर पुनः मुख्यमंत्री बन गए। हेमंत सोरेन के शासनकाल में राज्य में पेपर लीक ने रिकार्ड तोड़ दिए – 11वीं का गणित का पेपर लीक, डिप्लोमा का पेपर लीक, सहायक लैब टेक्निशन का पेपर लीक, नगर पालिका भारतीयों में भी पेपर लीक, स्नातक के परीक्षाओं में पेपर लीक सहित झारखंड पब्लिक कमीशन भर्ती का भी पेपर लीक हो गया। राज्य में पेपर लीक माफिया हेमंत सोरेन के राजनैतिक शह में काम कर रहा है, पेपर लीक माफियाओं ने राज्य के युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है। राज्य में एक बारी भाजपा की सरकार बनवा दीजिए पेपर लीक करने वालों को सीधा करेंगे और राज्य के युवाओं के लिए एक पारदर्शी भर्ती की व्यवस्था भारतीय जनता पार्टी करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन के राज में चल रही राज्य सरकार को घुसपैठियों में अपना वोट बैंक नजर आ रहा है, मगर घुसपैठ के कारण झारखंड में आदिवासियों की संख्या घट रही है, डेमोग्राफी बदल रही है और न्यायालय के गुहार के बाद भी हेमंत सोरेन सरकार हर आरोप से मुकर जाती है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म कर, सभी घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकालेगी और परिंदा भी पैर न मार सकने वाली सरहदों का निर्माण करेगी। असम में भाजपा सरकार आने के बाद घुसपैठ बिल्कुल खत्म हुआ और रोटी, बेटी और माटी का संरक्षण किया गया। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति की अति कर दी। लोहरदगा में काँवड़ियों पर हमला हुआ, राम नवमी के जुलूस में कीर्तन–भजन पर प्रतिबंध, सेहमू में बड़े पैमाने पर राम नवमी के जुलूस पर पथराव हुआ, साहिबगंज में मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया और जमशेदपुर में 'हिंदू, झारखंड छोड़ो' जैसे हिंसक नारे लगाए गए। भाजपा की सरकार बनने के बाद झारखंड में एक ऐसे कानून का राज होगा, जिसमें ऐसी हिमाकत करने वालों को जेल की सलाखों के पीछे जाना होगा। भाजपा की सरकार बनने पर घुसपैठियों द्वारा हड़पी गई भूमि को भी मुक्त कराया जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार वादाखिलाफी की सरकार रही है। झारखंड के युवाओं को 5 लाख नौकरियों का वादा फुस्स हो गया। स्नातक बेरोजगारों को 5 हजार रुपए और स्नातकोत्तर बेरोजगारों को 7 हजार रुपए का भत्ता अबतक नहीं मिला। हर गरीब को खटाखट 72 हजार रुपए, विधवाओं को 2500 रुपए पेंशन और चूल्हा भत्ता देने का वाद भी अभी तक पूरा नहीं हुआ। नवविवाहित बहन बेटियों को 51 हजार रुपए अबतक नहीं दिए गए और आधार कार्ड पर 50 हजार का ऋण अब तक किसी को नहीं मिला। हेमंत सोरेन किस मुंह से गरीबों, विधवाओं, युवाओं और माता–बहनों से वोट मांगने जाएंगे, यह समझ से परे हैं। झारखंड की जनता को पता चल गया है कि हेमंत सोरेन की शब्दकोष में शर्म नाम का शब्द है ही नहीं, वह आज भी बड़े मजे से अपनी पत्नी के साथ वोट मांग रहे हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार, देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। हेमंत सोरेन सरकार में गठबंधन के साथी कांग्रेस के सांसद के घर से 350 करोड़ रुपए की नकदी बरामद हुई, छापेमारी के दौरान कैबिनेट मंत्री आलम के घर से 30 करोड़ रुपए मिलते हैं। नोट गिनने वाली मशीनें गरम हो गई और पैसे ले जाने के लिए टेम्पो मंगाना पड़ा। यह पकड़ा गया पैसा और जो पैसा गठबंधन के नेताओं ने खाया है, यह सब पैसा झारखंड की जनता का पैसा है। मुखमंत्री हेमंत सोरेन ने अगर यह पैसा अपने चेले–चपाटों में न बांटा होता, तो झारखंड अब तक विकसित राज्य बन गया होता। झारखंड देश का सबसे समृद्ध राज्य है, क्योंकि यहां की खनिज संपदा अनमोल है। झारखंड देश का सबसे समृद्ध राज्य तो है, मगर झारखंडी देश का सबसे गरीब नागरिक है और यह सब हेमंत सोरेन की सरकार और उनकी भ्रष्ट नीतियों का नतीजा है।

जेएमएम का अर्थ ही है कि 'जमकर मलाई मारो': राजनाथ सिंह

माननीय केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने झारखंड के हटिया और लोहरदगा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए झारखंड में घटती आदिवासी आबादी को लेकर झामुमो, आरजेडी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। श्री सिंह ने कहा कि 'जेएमएम का अर्थ ही है कि जमकर मलाई मारो', वरना झामुमो के नेताओं और मंत्रियों के पीए के पास करोड़ों–करोड़ों रुपये कहां से आते? झारखंड बनने के बाद अब तक 13 मुख्यमंत्री रह चुके हैं, उनमें से कई जेल भी गए, लेकिन भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री कभी जेल नहीं गया। इस दौरान मंच पर भाजपा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय, हटिया प्रभारी प्रदीप सिन्हा, हटिया से प्रत्याशी श्री नवीन जायसवाल, लोहरदगा से प्रत्याशी श्रीमति नीरू शांति भगत सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री सिंह ने विधानसभा प्रत्याशी श्री नवीन जायसवाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वो जो कहते हैं, करके दिखाते हैं। छठ के साथ लोकतंत्र का भी पर्व आ गया है, झारखंड में किसकी सरकार बनेगी इसका रुख भी अब लगभग स्पष्ट हो चुका है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक मण्डल मुर्मू ने चुनाव लड़ने का प्रस्ताव किया था, लेकिन हवा का रुख बदलते हुए देख, मण्डल मुर्मू ने प्रस्तावक से अपना नाम वापस लेकर भारतीय जनता पार्टी का समर्थन कर दिया। उन्हें यह समझ आ गया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की नाव डूब रही है, और डूबती नाव पर कोई बैठना नहीं चाहता। यह पूरी तरह से स्पष्ट हो चुका है कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता पार्टी को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता स्वीकार कर रहे हैं। झारखंड में झामुमो, कांग्रेस और राजद की सरकार है, तीनों पार्टियां दिवाली के फुस्स पटाखे की तरह हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी एक ऐसा शक्तिशाली रॉकेट है, जो झारखंड को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का कार्य करेगी। झारखंड को अलग राज्य बनाने का कार्य भी स्वर्गीय अटल जी के नेतृत्व में भाजपा ने किया था। भारतीय जनता पार्टी का मानना था कि झारखंड एक विकसित राज्य बनेगा लेकिन इसके विपरीत लगातार झारखंड में गरीबी और भुखमारी बढ़ती गई। झारखंड बनने के बाद अब तक 13 मुख्यमंत्री रह चुके हैं, उनमें से कई जेल भी गए, लेकिन भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री कभी जेल नहीं गया। यह लोग आते हैं तो अपनी जेब भरते हैं लेकिन भाजपा राज्य के विकास की बात करती है। श्री बाबू लाल मरांडी, श्री रघुवर दास और श्री अर्जुन मुंडा झारखंड के मुख्यमंत्री रहे लेकिन किसी पर भी एक रुपये का भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। जब–जब झामुमो, आरजेडी और कांग्रेस की सरकार आई है तब–तब इनपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इनका

उद्देश्य ही राज्य को लूटना है। 'जेएमएम का अर्थ ही है कि जमकर मलाई मारो'। झारखंड मुक्ति मोर्चा एक आदिवासी विरोधी पार्टी है, इनके नेताओं ने आदिवासी भाइयों का खून चूसा है। झामुमो के नेताओं के पास, इनके मंत्रियों के पीए के पास करोड़ों–करोड़ों रुपये कहां से आते हैं? भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा आदिवासियों का सम्मान किया है। जब सभी लोग भगवान विरसा मुंडा को भूल चुके थे तो भाजपा ने उन्हें याद किया। किसी भी सरकार ने आदिवासियों के मान–सम्मान और स्वाभिमान की इस प्रकार से चिंता नहीं की जैसे भारतीय जनता पार्टी ने की है।

श्री सिंह ने कहा कि जिस राज्य में आदिवासी भाइयों की आबादी सबसे अधिक थी, आज उनकी आबादी घटकर केवल 28% कैसे रह गई? राज्य में घुसपैठियों ने आदिवासियों की जमीनों पर कब्जा किया है, एक बार झारखंड की जनता भाजपा की सरकार बना दे तो कोई भी घुसपैठिया किसी की जमीन पर कब्जा नहीं कर पाएगा। आदरणीय . प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मस्तक ऊंचा हुआ है। पहले जब भारत वैश्विक मंचों से कुछ बोलता था तो उसे गंभीरता से नहीं लिया जाता था लेकिन आज जब भारत कुछ बोलता है तो पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है। झारखंड की जनता के लिए यह सुनहरा अवसर है जब जनता को सुशासन, विकास और राजनीतिक स्थिरता का नया अध्याय लिखने का मौका मिल रहा है। झारखंड में विकास की बहुत संभावना है, लेकिन झामुमो, आरजेडी और कांग्रेस के लोगों ने इस राज्य को केवल ठगा है। झामुमो, आरजेडी और कांग्रेस झारखंड के विकास के तीन स्पीड ब्रेकर हैं, इस बार झारखंड की जनता इन स्पीड ब्रेकरों को तोड़ देगी। छत्तीसगढ़ में लगातार तीन बार भाजपा का मुख्यमंत्री बना है और छतीसगढ़ जनकल्याण और विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ा। इसके बाद कांग्रेस की सरकार बनी, तो वहां भ्रष्टाचार का बोलबला बढ़ा और विकास कार्य अवरुद्ध हुए। छत्तीसगढ़ में फिर से भाजपा की सरकार बनी और विकास के मार्ग पर फिर से बढ़ चला। छतीसगढ़ में झारखंड से अधिक विकास देखने को मिलेगा।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मनुष्य की जिंदगी में हया, शर्म, लोकलाज का भी महत्व होता है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाते हैं और यह बात डंके की चोट पर बताते हैं। मगर राजनीति लोकलाज और मर्यादाओं के बिना नहीं चल सकती है। जब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम पर एक निराधार आरोप लगाया गया था, उन्होंने अपने प्राणों से प्यारी पत्नी सीता को अग्नि परीक्षा से गुजरने के लिए मजबूर कर दिया था। इसीलिए भगवान श्रीराम हमारे आदर्श हैं और हम उनकी आराधना करते हैं। आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश को तेजी से आगे बढ़ाने के कार्य कर रही है। कांग्रेस शासन के समय भारतीय . अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी, परंतु मात्र 7–8 वर्षों के भीतर, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत बड़ी छलांग लगाकर विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 2027 तक भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। कांग्रेस की सरकार ने लंदन की बैंक में जो सोना गिरवी रखा था, उसमे से 102 टन सोना धनतेरस के बाद भाजपा सरकार वापस देश में लेकर आई है।

श्री सिंह ने कहा कि अभी 4 महीने पहले देश में लोकसभा का चुनाव सम्पन्न हुआ, अब झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। कुछ समय बाद दिल्ली और 10 महीने बाद बिहार में विधानसभा के चुनाव होंगे। इतने चुनाव कराने में देश की जनता की खून–पसीने की कमाई खर्च होती है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने तय किया है कि देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ करवाए जाएंगे और 100

दिन के भीतर ग्राम पंचायत, जिला परिषद, नगर पालिका के चुनाव भी करवाया जाएगा। मोदी सरकार इस बिल को जल्द ही संसद में पारित करवाएगी। देश के लिए यह चिंता श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने की है। मोदी सरकार ने 62 हजार आदिवासी गांवों और अति गरीब आदिवासी लोगों के विकास के लिए पीएम जनमन योजना की शुरुआत की है। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेन प्रदान की। भाजपा का वादा है कि झारखंड में सत्ता परिवर्तन होने के बाद व्यवस्था परिवर्तन भी किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। देशभर में 400 से ज्यादा एकलव्य आवासीय विद्यालय का निर्माण किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पहली बार एक आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति बनाया है। कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी तीनों पार्टी पर एक–एक परिवार का ही राज है, कोई दूसरा इन पार्टियों का अध्यक्ष नहीं बन सकता। मगर भाजपा में हर 3 साल पर अध्यक्ष का चुनाव होता है। यह विपक्षी दल के लिए कुछ भी करने को तैयार है। मुख्यमंत्री पद से हटाए गए चंपई सोरेन को अपनी गरीब पृष्ठभूमि और आदिवासी विरासत के कारण इस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। अगर जेएमएम नेतृत्व को वास्तव में परवाह होती, तो वे अगले 3–4 महीने तक चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री के रूप में रहने देते। इसलिए जनता को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का समर्थन करना चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सिंह ने कहा कि भाजपा भारत की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा गठबंधन माना जाता है। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए जाति और धर्म के आधार पर राजनीति नहीं करता है, बल्कि मानवता और सभी को न्याय दिलाने पर ध्यान केंद्रित करता है। जो झारखंड मुक्ति मोर्चा जल, जमीन और जंगल को सुरक्षित करने में विफल रहा, वो आदिवासी कल्याण के लिए कैसे काम करेगा? उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ को एक ही वर्ष में राज्य का दर्जा दिया गया था, लेकिन जहां उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ ने भाजपा के नेतृत्व में विकास किया, वहीं झारखंड को झामुमो के शासन के कारण संघर्ष करना पड़ा। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान, लगभग 22,000 भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे हुए थे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने व्लादिमीर पुतिन और जेलेंस्की के साथ बात की, सफलतापूर्वक युद्ध विराम की सुविधा प्रदान की और संघर्ष क्षेत्र से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी को सुनिश्चित किया।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार घुसपैठ को रोकने के लिए कदम उठाएगी और आदिवासियों को जमीन वापस करने के लिए कानून बनाएगी। राज्य में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी, लेकिन आदिवासियों को इससे बाहर रखा जाएगा। सरकार वन अधिकारों को सुनिश्चित करेगी और वन विभाग द्वारा आदिवासियों और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ दर्ज मामलों की समीक्षा करेगी। यदि अपराध गंभीर नहीं हैं, तो मामले खारिज कर दिए जाएंगे। गोगो दीदी योजना के तहत प्रत्येक महिला को प्रत्येक महीने की 11 तारीख को 2,100 रुपये दिए जाएंगे। 500 रुपये में सिलेंडर मुहैया कराया जाएगा और प्रतिवर्ष 2 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। युवा साथी भत्ता योजना के तहत बी.ए. और एम.ए. पास बेरोजगार युवाओं को 2000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। सरकारी परीक्षाओं में नकल पर लगाम लगाने का काम किया जाएगा। केन्द्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि फूलो–झानो पढ़ो बिटिया योजना के तहत राज्य के गरीब और पिछड़े वर्ग की हर बालिका को केजी से लेकर पीजी तक निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। भाजपा ने जो वादे अपने घोषणापत्र में किए हैं उन सब वादों को पूरा किया जाएगा। धान की खरीद को 3100 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ाया जाएगा और बिना कटनी–छटनी के खरीद का पैसा 24 घंटे के भीतर किसान के खाते में पहुंच जाएगा। जो लोग आरक्षण समाप्त करने की बात करते हैं, वो झूठ बोलते हैं। कोई आरक्षण को समाप्त नहीं कर सकता। वृद्धों को मिलने वाली मासिक पेंशन को बढ़ाकर 2500 प्रति माह कर दिया जाएगा। मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक गर्भवती महिला को 21,000 रुपये की वित्तीय सहायता के साथ छह पोषण किट भी मिलेंगी। श्री राजनाथ सिंह ने स्थानीय प्रत्याशी नवीन जायसवाल को भारी मतों से जिताकर राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की अपील की।

गोगो दीदी योजना के तहत प्रत्येक महिला को प्रत्येक महीने की 11 तारीख को 2,100 रुपये दिए जाएंगे।

बटेंगे तो कटेंगे! एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे : योगी

योगी आदित्यनाथ ने हुसैनाबाद पांकी और मेदिनीनगर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर बंटेंगे तो कटेंगे नारे का जिक्र किया। सीएम योगी ने कहा कि जब हम बंटे थे तो अयोध्या काशी व मथुरा में अपमान झेलना पड़ा। योदी आदित्यनाथ ने झारखंडवासियों को पांच गारंटी भी दी। जिसमें विशेष फोकस महिलाओं पर रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (ल्वहप ।कपजलंदंजी) ने कहा कि जब हम बंटे थे तो अयोध्या, काशी व मथुरा में अपमान झेलना पड़ा। बहन–बेटियों की अस्मिता से खिलवाड़ का अपमान झेलना पड़ा। बंटे थे तो कटे थे, इसलिए अब कहने आया हूं कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

उन्होंने कहा कि जब ये राम मंदिर का निर्माण नहीं कर सकते, भगवान बिरसा मुंडा को सम्मान नहीं दे सकते, बाबा साहेब को सम्मान नहीं दे सकते, बेटियों की रक्षा नहीं कर सकते, बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्या मुसलमानों को देश से बाहर नहीं कर सकते, देश को सुरक्षा नहीं दे सकते, गरीबों का कल्याण नहीं कर सकते तो फिर इन्हें चुने क्यों?

इनको एक सिरे से खारिज करने की आवश्यकता है। यह सरकार घुसपैठिये, रोहिंग्या व पत्थरबाजों की हितैषी है। लव जिहाद के नाम पर बांग्लादेशी घुसपैठिये इस प्रकार कोहराम मचा रहे हैं कि उच्च न्यायालय को भी चिंता करनी पड़ी। झारखंड प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण राज्य है। यहां देवघर है, जहां लोग कांवड़ यात्रा लेकर आते हैं। अगर कांग्रेस, झामुमो व राजद की चले तो यह कांवड़ यात्रा पर भी रोक लगा दें। पहले यूपी में कांवड़ यात्रा नहीं होने देते थे। अब यूपी में कांवड़ यात्रा होती है। शंख, घंटा और डीजे भी बजते हैं। माफिया से निपटने के लिए जज्बा चाहिए।

झामुमो व कांग्रेस की गठबंधन सरकार विकास नहीं विनाश के दूत हैं। इसने पांच साल तक राज्य का विकास नहीं होने दिया। झारखंड के बालू, खनिज, जंगल सहित स्वाभिमान को भी बेचा है। इनके शासनकाल में भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार है। बालू, कोयला, भूमि घोटाला आदि इसके उदाहरण हैं, इसलिए झारखंड में एनडीए की सरकार बनेगी तो विकास की गाड़ी तेजी से चलेगी।

भाजपा की सरकार बनने पर हुसैनाबाद का नाम बदलकर रामनगर करेंगे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह, कुशवाहा शशिभूषण मेहता, आलोक कुमार चौरसिया व भानू प्रताप शाही को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो सुरक्षा, विकास, सम्मान के लिए काम करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा कई जनोपयोगी योजनाओं को चला रही है।

झारखंड में तीन परिवार के लोगों का शासन है। इनको गरीबों की चिंता नहीं है। एक परिवार रांची, एक पटना और एक दिल्ली में बैठता है। इन तीनों को जनता की नहीं, सिर्फ अपने परिवार की चिंता है। तीनों झारखंड को लूटने में मस्त हैं। चुनावी सभा के दौरान यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के स्वागत में दर्जनभर से अधिक बुलडोजर लगाए गए थे। बुलडोजर पर सवार होकर लोग योगी का अभिनंदन कर रहे थे।

योगी आदित्यनाथ ने झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनने पर जनता को पांच योजनाओं की गारंटी दी। इसमें लक्ष्मी जोहार योजना के तहत सभी को 500 रुपये में गैस सिलेंडर और प्रतिवर्ष दो निश्शुल्क सिलेंडर देने, गोगो दीदी योजना के तहत हर महिला के बैंक खाते में प्रतिमाह 2100 रुपये की सम्मान राशि, 21 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास, सभी परिवारों को घर निर्माण के लिए निश्शुल्क बालू और स्नातक व स्नाकोत्तर युवाओं को दो साल तक 2000 रुपये बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही। 2.87 लाख सरकारी रिक्त पदों पर निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से बहाली की जाएगी।

भारतीय हित में ट्रम्प की जीत?

डा. सत्यवान सौरभ

अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरुआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की ज़रूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रम्प के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। उनके पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं।

ट्रम्प की जीत भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। ट्रम्प की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ़ इतना ही काफ़ी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रम्प को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। डीप स्टेट के लिए बदतर यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे दोनों युद्ध या तो संप्रभु बहुपक्षीय समन्वय द्वारा समाप्त कर दिए जाएंगे, या, उन्हें सामान्य रूप से व्यवसाय की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कालीन के नीचे दबा दिया जाएगा।

राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डेमोक्रेट तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट के बीच कहर बरपाया है अ ौर लिज़ चेनी जैसे सच्चे रिपब्लिकन राजघराने ने डेमोक्रेट के लिए खुलकर प्रचार किया है। पहली नज़र में यह भ्रामक लग सकता है, यहाँ तक कि अजीब भी, लेकिन ऐसा तब होता है जब राजनीतिक विचारधारा उतनी ही तेज़ी से खरगोश के बिल में चली जाती है जितनी कि अमेरिका में। अगर पार्टियों को अब यह नहीं पता कि वे किस लिए खड़े हैं, तो कल्पना करें कि आम राजनेता, पार्टियों के कार्यकर्ता और मतदाता कितने भ्रमित होंगे? अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरुआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की ज़रूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रम्प के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे।

ट्रम्प के पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। महामारी तक उन्होंने यही सफलतापूर्वक किया और विडंबना यह है कि जो बिडेन ने भी इसे दोहराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। पहले क्रम के प्रभाव अमेरिका के लिए अच्छे हैं क्योंकि अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ी हुई गतिविधि का मतलब है अधिक नौकरियाँ, आर्थिक विकास, कम व्यापार घाटा और कम मुद्रास्फीति। तेल, विशेष रूप से 'शेल' तेल ने किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में अधिक योगदान दिया और ऐसा फिर से हो सकता है। दूसरा

पहलू यह है कि ट्रम्प के भीतर की ओर देखने से भारत में कुछ नौकरियाँ ख़त्म हो सकती हैं और हम कुछ वीजा युद्ध देख सकते हैं। चीन और भारत को अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद करने के लिए राजी करना कूटनीतिक मोर्चे पर एक ईमानदार समझौता है, जिसका सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से मतलब होगा कि भारत और चीन को घरेलू मामलों में बहुत अधिक अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना अपनी बढ़ती वैश्विक स्थिति को मज़बूत करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। निश्चित रूप से, कुछ शोर–शराबा होगा।

इसकी प्रतिक्रिया में, यह संभव है कि सऊदी अरब जैसे बड़े तेल और गैस निर्यातक बाज़ार हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए एकतरफा कीमतों में कटौती कर सकते हैं, जबकि अमेरिका कतर को निचोड़ने और ईरान को खेल से बाहर रखने के लिए अपने सभी शेष प्रभाव का उपयोग करता है। हम भूल न जाएँ, महामारी के बाद एक रिकवरी वर्ष प्राप्त करने के बजाय, हमें दो बदसूरत छद्म युद्ध, बढ़ती मुद्रास्फीति और दुर्बल करने वाले व्यापार व्यवधान मिले, कुछ ऐसा जिससे भारत केवल इसलिए बच गया क्योंकि हमने रूस पर पश्चिम के प्रतिबंधों को चतुराई से दरकिनार कर दिया।

अब आगे अमेरिकी चुनावी सुधारों पर अब गंभीरता से बहस शुरू होगी। व्यवस्था टूट चुकी है और इसे ठीक करने की ज़रूरत है। सुधार किस तरह की रूपरेखा अपनाएगा, यह केवल विस्तार का विषय है, लेकिन, सिद्धांत रूप में, इसकी आवश्यकता पर बातचीत शुरू होगी। यह एकमात्र तरीक़ा है जिससे अमेरिका सभ्यतागत पतन से बच सकता है जिसकी ओर वह वर्तमान में बढ़ रहा है और ट्रम्प यह जानते हैं। हालांकि, कड़े व्यापार रवैये के बावजूद ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एक

इस खेल की प्रगति का एक संकेतक यह है कि यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या भारत ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक गतिशीलता कैसे बदलेगी, इस पर सभी दांव बंद हो जाएंगे, क्योंकि इसका मतलब होगा कि अमेरिका ने बहुध्रुवीयता को नई वैश्विक वास्तविकता के रूप में स्वीकार कर लिया है। यूक्रेन और गाजा में चल रहे दो युद्धों पर अमेरिका की स्थिति में किसी तरह की वापसी होगी। दोनों युद्ध या तो बहुपक्षीय संप्रभुता के आदेश से समाप्त हो जाएंगे, या फिर सामान्य स्थिति में वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बेरहमी से दबा दिया जाएगा। अमेरिका और बाक़ी दुनिया के लिए जल्द से जल्द यह सामान्य हो जाना चाहिए, क्योंकि, रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के कार्यकाल में भारत पर अमेरिकी व्यापार सरप्लस की जांच और संभावित प्रतिबंध लगाने का दबाव रहेगा। इसके बावजूद, अमेरिका की 'चाइना प्लस वन' रणनीति भारत के लिए अवसर ला सकती है।

'चाइना प्लस वन' एक व्यापार रणनीति है, जिसमें कंपनियाँ चीन पर निर्भरता घटाने के लिए अन्य देशों, जैसे भारत में अपने संचालन को बढ़ा रही हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन से आयातित सामान पर टैरिफ और मैन्युफैक्चरिंग को घरेलू स्तर पर लाने पर ज़ोर के चलते यह रणनीति तेजी से उभरी थी। इस बार भी ट्रंप की वापसी से यह रुख और मज़बूत हो सकता है, जिससे भारत जैसे देशों में निवेश और सप्लाई चेन विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

स्वच्छता, सुचिता, समरसता का पर्व: छठ पूजा

डा.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

छठ पूजा यानि सूर्य की उपासना का अनूठा पर्व , सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण, वर्ग, धर्म एवं संप्रदाय को एकाकार करने का अद्भुत संयोग से संपन्न यह व्रत कार्तिक शुक्ल पक्ष के षष्ठी तिथि को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में इसे लोक आस्था और सामाजिक सद्भाव के रूप में भी मानते हैं ।भारत उत्सव प्रधान देश है और भारतीय परम्परा नैसर्गिकता का पृष्टपोषक रहा है। वैदिक काल से ही प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन की बात हमारे पूर्वजों ने हमें विरासत में प्रदान की है। हमने देवता शब्द को बड़े ही सहज रूप में स्वीकारा है। देवता को समझना कितना सहज है – आप देवता शब्द को उसमें प्रयुक्त अक्षरों के उपस्थिति को ध्यान से देखेंगे तो स्वयं समझ जायेंगे ।

देवता का अभिप्राय जो दे वह देवता और कुछ भी नहीं ।आप पर्यावरण से है ।वेदों में देवता वहीं हैं जो अक्षुण रूप से हमें दे रहे हैं यथा, सूर्य, चन्द्र, पृथ्वी, जल, आकाश आदि। उन्हीं देवताओं में एक देवता है सूर्य जो ऊर्जा के अनंत स्रोत हैं। वेद, उपनिषद, आरण्यक, ब्राह्मण ग्रन्थ, और विज्ञान के नवीन शोध ग्रन्थ सूर्य की महत्ता को परिभाषित कर उसकी उपादेयता का भी वर्णन करते हैं। सूर्य आत्मा जगत्स्थुखश्च। यानि सूर्य जगत का आत्म – स्वरुप है यानि सूर्य के विना योगी , भोगी, सामान्य किसी का काम नहीं चलनेवाला है। सूर्य के बिना सृष्टि की कल्पना असंभव है। काल गणना का अधिपति सूर्य है। ज्योतिष विद्या का प्राण सूर्य है। सृष्टि के तीन स्वरुप पालन ,पोषण और संहार के प्रतिनिधि देवता ब्रह्मा, विष्णु, और महेश का तीनों स्वरुप सूर्य में समाहित है यथा – **उदये ब्राह्मणो रूपं मध्याह्ने तू महेश्वरः । अस्तकाले स्वयं विष्णुस्त्रिमूर्तिरश्च दिवाकरः।।** भारतीय काल

इस अभिप्राय के अलावे अन्यत्र देवता को कहीं ढूढ़ने का प्रयास किये कि फिर देवता का दर्शन दुर्लभ हो जायेगा। देवता का सहज गुण है देना और वह जो देश, काल, जाती , धर्म, वर्ग, सम्प्रदाय, आदि से परे हो कर, सीमा में न बंधकर जो सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के गुण से सम्पन्न हो वही देवता है। वह स्थूल, चर,अचर, जीव, निर्जीव, साकार, आकार, मनुष्य, या अन्य जो भी परिकल्पना मुनष्य अपनी बुद्धि से करता है। उसे ही वह अपना देवता मान लेता है। उसकी पूजा आराधना और अभ्यर्चना करता है। इस क्रम में कुछ उसके अनुयायी बनते हैं और कुछ विरोधी भी पर जो जैसा मान लेता है वह उसी में आनंद का अनुभव करता है।

भारतीय संस्कृति पर्यावरण की महत्ता को गहराई से समझती है क्योंकि हमारे ऋषि परम्परा का उदगम का स्रोत ही

गणना का आधार सूर्य ही है यह निर्विवाद सत्य है ।ज्योतिष के पंचांग में वर्णित बारह मास के नाम भी सूर्य के बारह नामों का पर्याय है ।धता –चैत्र ,अर्यमा –बैशाख ,ज्येष्ठ –मित्र , आषाढ़ –वरुण ,श्रावण –इंद्र ,भाद्रपद –विवस्वान ,आश्विन–पूषा ,कार्तिक –पर्जन्य ,मार्गशीर्ष –अंशुमान ,पौष –भग , माध –त्वष्टा और फाल्गुन –विष्णु के नाम रूप से आराधना का विधान है ।छठ पूजा भी सूर्य पूजा का ही एक स्वरुप है जिसमें कार्तिक माष में पर्जन्य सूर्य के रूप में भगवन सूर्य पूजित होते हैं ।

'कितना व्यावहारिक है छठ पूजा यानि सूर्य पूजा? आप इस पूजा आराधना के अंदर छिपे गहनता को समझिए–

1– प्रकृति अपने सम्पूर्ण वैभव से परिपूण होती है. इस काल में खरीफ के फसल पक कर तैयार होते हैं ।फल, फूल,

वनस्पति सबके सब प्रकृति के ये अनन्य उपहार अपनी अपनी उपादेयता के साथ हमारे उपभोग के लिए प्रस्तुत होते हैं। इस उपलब्धि पर हमारे ऋषियों और पूर्वजों ने हमें सचेत करते हुए कुछ परम्पराएँ धरोहर के रूप में दी है। उसी धरोहर का एक अनुपम उदाहरण है छठ पूजा। देनेवाले को प्रथम निवेदित कर हम इस ऋतु में जो भी हमें प्रकृति से प्राप्त होता है, उसका ग्रहण करते हैं। सूर्य को इसलिए कि बिना सूर्य के संभव नहीं है प्रकृति का अनुपम उपहार। इसीलिए सूर्य को अपना देवता मान कर हम इनकी पूजा करते हैं।

2 – वर्षा काल के बाद सूर्य की किरणों ने ही हमें नव जीवन दिया, आरोग्यता दी, और फसलों का उपहार दिया। अन्न के बिना जीवन संभव नहीं कहा गया है– **अन्नाद्भवन्ति भूतानि।** फिर तो सूर्य की आराधना का औचित्य बनता ही बनता है। भारतीय परंपरा में ऋण मुक्ति का आदेश है । हम कई ऋण से बंधे होते हैं ।यथा मातृ ऋण , पितृ ऋण ,गुरु ऋण एवं देव ऋण और देव ऋण से मुक्ति का मार्ग है छठ पूजा । सूर्य ही एक ऐसा देवता है जो दिखता है देते हुए अपने सामान्य आँखों से भी और ऐसे देवता के लिए हम कृतज्ञ नहीं हो तो फिर हमारा मनुष्यत्व कलंकित हो जायेगा । देव ऋण से ,प्रकृति के ऋण से ,वनस्पति के ऋण से उऋण होने का शुभ अवसर का नाम है छठ पूजा।

3 – सूर्य उपासना अनादि काल से आज तक चलता आ रहा है विविध रूपों में । यथा मूर्ति पूजा, प्रतिक पूजा, सामान्य पूजा, आदि रूप में। उत्सव प्रधान भारत में फिर सूर्य पूजा का एक रूप है छठ पूजा। छठ शब्द संस्कृत के षष्ठ शब्द से लिया गया है। यानि कार्तिक माष के षष्ठी तिथि को सूर्य की उपासना की जाती है अतः इस तिथि के षष्ठी नाम से छठ शब्द का प्रादुर्भाव होता दिखता है। षष्ठी तिथि को सूर्य का जन्मोत्सव तिथि भी कहा जाता है इसीलिए लोक गीतों में वर्णित छठी मैया कोई दूसरी नहीं, षष्ठी तिथि ही है।

4 – छठ पूजा जहाँ एक ओर कठिन सा लगता है वही यह बड़ा ही सरल है। इसमें सामर्थ्य, परिस्थिति, उपयोगिता और उपलब्धता का अनुपम समावेश है – इस लोक पूजा परंपरा में। आपके पास जो हो वही सही, जितना हो वह भी सही और तो और आपके पास कुछ भी नहीं तो दो हाथ तो होंगे और वह भी नहीं तो आप मन से भी नमस्कार तो कर सकतें है वह भी सही और स्वीकार है भगवान सूर्य को – यह है इस पूजा का रहस्य। शास्त्रों में कहा भी गया है कि भगवान शंकर को जल का अभिषेक प्रिय है, विष्णु को अलंकार प्रिय है पर हमारे सूर्य को नमस्कार प्रिय है। अतः आप ब्रत करें न करें सूर्य को नमस्कार तो अवश्य कीजिये – वह आज भी देता हुआ दिख रहा है अतः इस देवता का मन से अभिवादन तो अवश्य कीजिये ।

5 – छठ पूजा में सम्पूर्ण समाज अपने आस पास के नदी, तालाब, गली, मोहल्ला को स्वच्छ करता हुआ दिख जायेगा। स्वच्छता, शुचिता, समरसता, सौहार्द का अनुपम उदाहरण है छठ पूजा। आज कहाँ रह जाती है दूरी वर्ग का, समाज का, उंच – नीच का, जब लोक गीत गाती हुई स्त्रियों का समूह घरों से निकल कर गलियों से होता हुआ प्रमुख मार्ग पर जन सैलाब के साथ उमड़ता है तब सड़क स्वयं सजीव होकर गाने लगता है। नुपुर की ध्वनि, घूँघट से झांकती तरुणाई, मचलती बालाएं अपने रूप सौंदर्य से पथ को मदमस्त कर देती हैं।

6 – स्वच्छ भारत का दिग्दर्शन करना हो तो छठ पर्व पर भारत के उन गाँवों में जाइए जहाँ छठ पूजा हो रहा है । आपको दिखेगा स्वच्छता, शुचिता और एकता ।

7 – लोग कहते हैं डूबते को प्रणाम करने से क्या फायदा पर छठ पर्व का अलग सोंच है – डूबनेवाला ही उगेगा, उगनेवाला तो डूबेगा ही, साथ ही हो सकता है की यह भी एक रहस्य हो कि इस मृत्यलोक का मृत्यु ही शाश्वत सत्य है। अतः . अस्ताचलगामी को प्रथम नमन कीजिये वह आपके अंदर कि नई ऊर्जा को पुरानी ऊर्जा के विलय के साथ एक नवीनता प्रदान करनेवाला है। कितना व्यवहारिक है छठ पूजा, अस्ताचलगामी सूर्य प्रथम आराध्य है इसके बाद उदित सूर्य हैं।

लोक पर्व छठ भारत का प्राण ,एकता का अनुपम उदाहरण और पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक अनुपम प्रयास है। समाज को एक करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है। जहाँ पूजा विधान के प्रपंच, पाखंड, एकाधिकार से मुक्ति का मार्ग समाहित है इसमें ।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु म कश्चिद् दुःखभाग्भवेत" का सही प्रार्थना है सूर्य से। अतः सूर्य पूजा मनुष्य के लिए ईश्वर से सजीव और सार्थक निवेदन का एक सार्थक प्रयास है जिसे छठ पूजा के रूप में हम मानते हैं। इसमें सीधा ईश्वर साक्षात्कार, प्रकृति से उऋण होने, मानवता के बोध का आभास है और कुछ नहीं।

भारतीय चिन्तन में शब्द "ब्रम्ह"

लोकतंत्र भारत की जीवन शैली है। 18वीं लोकसभा का निर्वाचन दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक उत्सव है। इस चुनाव में 97 करोड़ मतदाता हैं। विश्व की निगाहें भारत की ओर हैं। वैसे सभी चुनावों में आरोप प्रत्यारोप के कारण वातावरण तनावपूर्ण होता रहा है। लेकिन इस दफा आरोप और प्रत्यारोप आक्रामक हैं। भड़काऊ हैं। उत्तेजक हैं। पीछे चुनावों में भी समाज में कोलाहल का वातावरण होता रहा है। लेकिन इस दफा कोलाहल की जगह कलह ने ले ली है। निजी आरोप प्रत्यारोप मई की गर्मी से भी ज्यादा वातावरण का ताप बढ़ा रहे हैं। वैचारिक असहमति की तुलना में शत्रु भाव दिखाई पड़ रहा है। यत्र तत्र सर्वत्र झूठे आरोप हैं। फर्जी वीडियो भी प्रसारित किए जा रहे हैं। निराधार आरोप और प्रत्यारोप चुनावी उत्सव को घटिया कलह में बदल रहे हैं। धनबल का प्रभाव खतरनाक है ही। छल छद्म का दुरुपयोग झूठ की सीमा को पार कर रहा है। 'वोट जेहाद' की अपील है। अर्धसत्य का प्रयोग राष्ट्रव्यापी है। मताधिकार बड़ा मूल्यवान होता है। लोकसभा चुनाव से हम भारत के लोग एक साथ दो लाभ उठाते हैं। पहला संसदीय क्षेत्र की जनता को प्रतिनिधि मिलता है। जनप्रतिनिधि से मतदाताओं के प्रति निष्ठावान रहने की अपेक्षा रहती है। मताधिकार के प्रयोग से ही जिम्मेदार सरकार मिलती है और जिम्मेदार प्रधानमंत्री भी। इसलिए चुनाव प्रचार को आदर्श संवाद से भरा पूरा होना चाहिए। सभी दलों को विचारधारा रखने का यह अवसर बड़ा मूल्यवान है। चुनाव घोषणा पत्र भी मूल्यवान होते हैं। यह जिम्मेदार सरकार चुनने का अवसर है। विचार और मुद्दा आधारित बहसें चुनाव को लोकतांत्रिक अंतर्संगीत से भर देती हैं। लेकिन इस चुनाव में उत्सवी अंतर्संगीत की जगह कलह और कोलाहल का तनाव है।

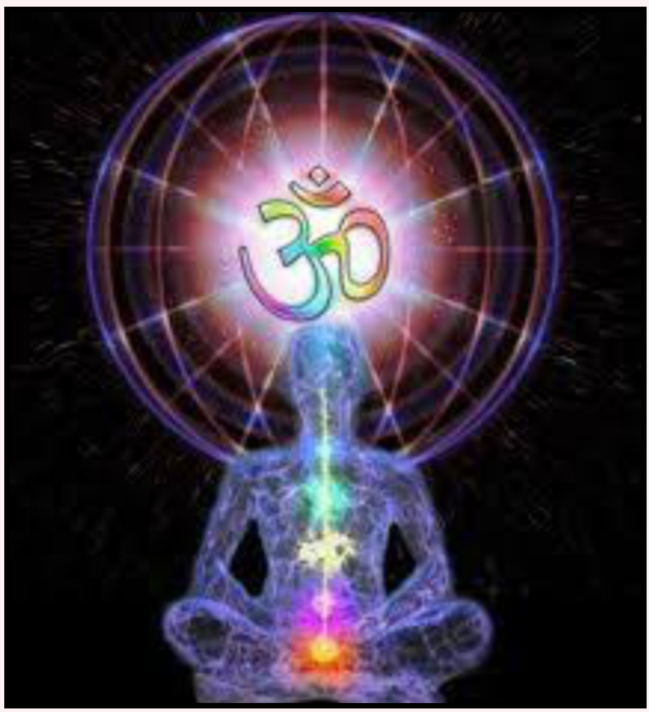

तनाव और कलह से भरा वातावरण राष्ट्रीय चुनौती है। निर्वाचन आयोग असहाय दिखाई पड़ रहा है। आम जनों पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। डॉक्टर आम्बेडकर ने संविधान सभा (15.06.1949) में स्वतंत्र निर्वाचन आयोग बनाने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने मताधिकार को जनतंत्र का मूल आधार बताया था। हृदयनाथ कुंजरू ने सभा में कहा था, "दोषपूर्ण निर्वाचनों से लोकतंत्र विषाक्त होगा।" सभा के सभी सदस्यों के मन में निर्वाचनों को पवित्र बनाने की इच्छा थी। कुंजरू ने कहा था कि, "दोषपूर्ण निर्वाचनों से लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। वह अपने मताधिकार के सदुपयोग से शासन में सुधार लाने और सरकार बदलने जैसी स्थिति को महत्व नहीं देंगे।" सभा ने स्वतंत्र, निष्पक्ष व निर्भीक निर्वाचन आयोग (अनुच्छेद 324) का प्रस्ताव पारित कर दिया। भारत के निर्वाचन आयोग की प्रशंसा दुनिया के अन्य देशों में भी होती है। वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनाव सम्पन्न कराने में प्रतिष्ठित रहा है। लेकिन वर्तमान कलह और कोलाहलपूर्ण वातावरण में वह भी असहाय दिखाई पड़ रहा है।

आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है। आयोग को सैकड़ो शिकायतें मिल रही हैं। शिकायतों की औपचारिक जांच होती है। लेकिन इसका सकारात्मक लाभ नहीं मिलता। बेशक आचार संहिता आदर्श है लेकिन चुनाव प्रचार में आदर्श नहीं दिखाई पड़ते। शब्द और अपशब्द का निर्णय करना कठिन है। दलों और नेताओं के बीच आत्मीयता नहीं दिखाई पड़ती। पहले लोकसभा के सभी चुनावों में अभिव्यक्ति की मर्यादा थी। परस्पर प्रेमभाव था। अपने–अपने दलों के प्रचार को गति देना, प्रतिपक्षी की बात काटना, तथ्य देना लेकिन परस्पर आत्मीय बने रहना प्रशंसनीय था। इस चुनाव में सारी

मर्यादाएं भंग हो गई हैं। इसी कटुतापूर्ण वातावरण के कारण मतदान के प्रति लोगों में निराशा है। निर्वाचन आयोग की तरफ से सभी स्तरों पर ज्यादा मतदान की अपील की जा रही है। सम्पन्न हुए दो चरणों में मतदान का प्रतिशत गिरा है। निर्वाचन आयोग अकेले इस स्थिति का सामना कैसे कर सकता है? कटुतापूर्ण वातावरण को दूर करने के लिए सभी दलों के वरिष्ठ नेताओं को परस्पर विचार विमर्श करना चाहिए।

आदर्श चुनाव आचार संहिता में व्यक्तिगत आक्षेपों पर पाबंदी है। लेकिन चुनाव प्रचार में व्यक्तिगत आक्षेप की कटुतापूर्ण भाषा है। भाषा संवाद का माध्यम है। सुन्दर शब्द संवाद को मधुर बनाते हैं। दलों को शब्द और अपशब्द में अंतर करना चाहिए। चुनाव प्रचार का उद्देश्य अपने पक्ष का समर्थन बढ़ाना है। पतंजलि ने 'महाभाष्य' में बताया है कि, "एक ही शब्द अपने प्रयोग के अनुसार भिन्न भिन्न अर्थ देता है। ऋग्वेद (5.58.6) में बताया गया है, "भाषा बुद्धि से शुद्ध की जाती है।" वैदिक काल से ही भाषा को मधुर बनाने के प्रयास चलते रहे हैं। अथर्ववेद में शब्द माधुर्य की स्तुति है, "हमारी जिव्हा का अग्रभाग मधुर हो। हम रोषपूर्ण वाणी भी मधुरता के साथ बोलें।" वैदिक काल में सभा और समितियां थीं। मधुर बोलने की प्रतिस्पर्धा थी। इस चुनाव में कटुतापूर्ण आक्षेपों की प्रतिस्पर्धा है। वरिष्ठ जन जो बोलते हैं, उसी के अनुसार समर्थक कार्यकर्ता स्थानीय स्तर पर भी कड़वा बोलते हैं। ऐसे वातावरण से निर्वाचित प्रतिनिधि संसद और विधानमण्डलों में इसी कटुता का प्रयोग करते हैं। सदनों को आत्मीयता का मंच बनाने के लिए चुनावी बहसों को आत्मीय व प्रेम पूर्ण बनाना होगा। हम भारत के लोग वैदिक काल से लेकर महाकाव्य कल तक प्रेमपूर्ण वाणी और संवाद के उपासक रहे हैं। मूलभूत प्रश्न है कि जो भारत हजारों वर्ष पहले वैदिक काल से ही प्रेम पूर्ण वाणी का उपासक रहा है, उसी भारत के लोकसभा के चुनाव में शब्द के विकल्प अपशब्द क्यों हो गए हैं? समाचार माध्यमों का एक वर्ग भी ऐसे संवाद को महत्व देता है। अपने विपक्षी से सम्मानपूर्ण बात करना लोकतंत्र की शान है। 2017 के विधानसभा चुनाव में मैंने अपने मुख्य प्रतिपक्षी उम्मीदवार का नाम सभी सभाओं में आदर के साथ लिया और कहा कि वह मुझसे श्रेष्ठ हैं। समाचार पत्रों ने मेरे व्यवहार की प्रशंसा की।

भारतीय चिन्तन में शब्द को ब्रह्म कहा गया है। हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं में शब्दों की समृद्धि है। चुनावी सभाओं और अभियानों में प्रेमपूर्ण शब्दों का प्रयोग आखिरकार क्यों नहीं होता? अपशब्द शब्द का विकल्प नहीं हो सकते। यह शब्द प्रयोगकर्ता के उद्देश्य और विवेक पर निर्भर है। फेसबुक, एक्स (ट्विटर) आदि ने विचार अभिव्यक्ति का सुन्दर मंच दिया है। इसमें विचार प्रकट करने के अवसर हैं। लेकिन आधुनिक टेक्नोलॉजी का सदुपयोग कम दिखाई देता है। सोशल मीडिया का सदुपयोग सत्य, शिव और सौन्दर्य के लिए क्यों नहीं हो सकता? इलेक्ट्रॉनिक चैनलों पर बहसें होती हैं। प्रतिभागी भिड़ंत करते हैं। चिल्लाते हैं। कभी–कभी मारपीट की भी नौबत आ जाती है। समझ में नहीं आता कि किसी घटना के वर्णन में आक्रामक वाक्यों के ही प्रयोग क्यों होते हैं? यूनानी दार्शनिक प्लेटो ने 'रिपब्लिक' में ज्ञानवान गुणी (अरिस्तोस) लोगों के शासन को सर्वोच्च बताया है। भारतीय परम्परा में भी शासक में सदाचार युक्त गुणों की उपस्थिति अनिवार्य बताई गई है। भारत के नेतृत्व में भी ऐसे गुण हैं। लेकिन वर्तमान चुनाव में सब तरफ शोर है। कलह है। कोलाहल है। परस्पर कटुता है। धनबल बाहुबल का प्रभाव है। ऐसी स्थिति चिन्ताजनक है। चुनाव युद्ध नहीं है। लोकतांत्रिक तरीके से प्रतिनिधि और सरकार चुनने का अवसर है। निर्भीक मतदान मतदाता का मौलिक अधिकार है। दल और नेता मिलजुलकर इस वातावरण को बदल सकते हैं। तभी हम चुनाव को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक उत्सव बना पाएंगे।

धरती आबा "बिरसा मुंडा"

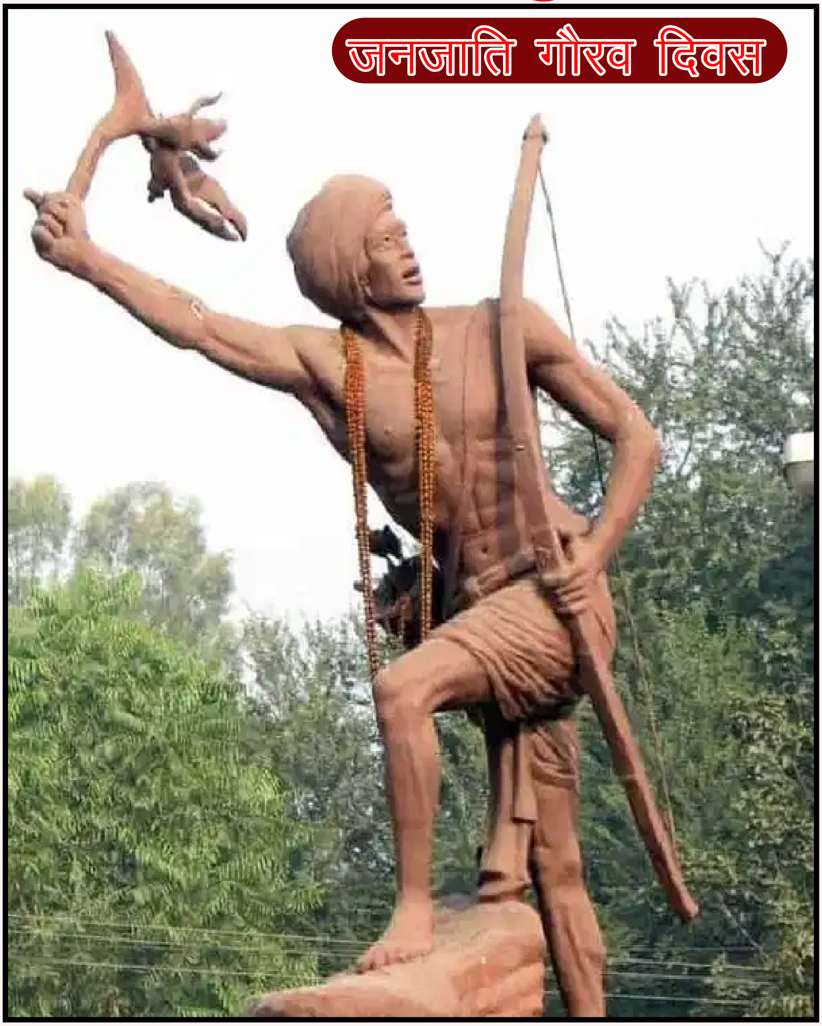

भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में झारखंड में हुए! एक आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिससे वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। भारत के आदिवासी उन्हें भगवान मानते हैं और 'धरतीबा' के नाम से पूजा जाता है। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 के दशक में एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम सुगना पुर्ती (मुंडा) और माता का नाम करमी पुर्ती (मुंडा) था। साल्गा गाँव में प्रारंभिक पढ़ाई के बाद वे चाईबासा (गोस्नर इवेंजेलिकल लुथरन चर्च) विद्यालय में पढ़ाई करने चले गए। बिरसा मुंडा को उनके पिता ने मिशनरी स्कूल में यह सोचकर भर्ती किया था कि वहाँ अच्छी पढ़ाई होगी लेकिन स्कूल में ईसाईयत के पाठ पर जोर दिया जाता था।

आदिवासी विद्रोह के नायक

19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजों ने कुटिल नीति अपनाकर आदिवासियों को लगातार जल–जंगल–जमीन और उनके प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करने लगे। हालाँकि आदिवासी विद्रोह करते थें, लेकिन संख्या बल में कम होने एवं आधुनिक हथियारों की अनुपलब्धता के कारण उनके विद्रोह को कुछ ही दिनों में दबा दिया जाता था। यह सब देखकर बिरसा मुंडा विचलित हो गए, और अंततः 1895 में अंग्रेजों की लागू की गयी जमींदारी प्रथा और राजस्व–व्यवस्था के ख़िलाफ़ लड़ाई के साथ–साथ जंगल–जमीन की लड़ाई ने छेड़ दी। यह मात्र विद्रोह नहीं था। यह आदिवासी अस्मिता, स्वायतत्ता और संस्कृति को बचाने के लिए संग्राम था। पिछले सभी विद्रोह से सीखते हुए, बिरसा मुंडा ने

पहले सभी आदिवासियों को संगठित किया फिर छेड़ दिया अंग्रेजों के ख़िलाफ़ महाविद्रोह 'उलगुलान'।

धीरे–धीरे बिरसा मुंडा का ध्यान मुंडा समुदाय की गरीबी की ओर गया। आदिवासियों का जीवन अभावों से भरा हुआ था। और इस स्थिति का फायदा मिशनरी उठाने लगे थे और आदिवासियों को ईसाईयत का पाठ पढ़ाते थे। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि गरीब आदिवासियों को यह कहकर बरगलाया जाता था कि तुम्हारे ऊपर जो गरीबी का प्रकोप है वो ईश्वर का है। हमारे साथ आओ हमें तुम्हें भात देंगे कपड़े भी देंगे। उस समय बीमारी को भी ईश्वरी प्रकोप से जोड़ा जाता था। 20 वर्ष के होते होते बिरसा मुंडा वैष्णव धर्म की ओर मुड़ गए जो आदिवासी किसी महामारी को दैवीय प्रकोप मानते थे उनको वे महामारी से बचने के उपाय समझाते और लोग बड़े ध्यान से उन्हें सुनते और उनकी बात मानते थें। आदिवासी हैजा, चेचक, साँप के काटने बाघ के खाए जाने को ईश्वर की मर्जी मानते, लेकिन बिरसा उन्हें सिखाते कि चेचक–हैजा से कैसे लड़ा जाता है। वो आदिवासियों को धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए कहते और साथ ही साथ मिशनरियों के कुचक्र से बचने की सलाह भी देते। धीरे धीरे लोग बिरसा मुंडा की कही बातों पर विश्वास करने लगे और मिशनरी की बातों को नकारने लगे। बिरसा मुंडा आदिवासियों के भगवान हो गए और उन्हें 'धरती आबा' कहा जाने लगा। लेकिन आदिवासी पुनरुत्थान के नायक बिरसा मुंडा, अंग्रेजों के साथ साथ अब मिशनरियों की आँखों में भी खटकने लगे थे। अंग्रेजों एवं मिशनरियों को अपने मकसद में बिरसा मुंडा सबसे बड़े बाधक लगने लगे। भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और संघर्ष से काफी प्रभावित होकर धरती आबा पर फिल्म बनाने की पूरी तैयारी पूरी कर ली गयी है। साल 2024 के मार्च महीने में भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू से फिल्म की शूटिंग शुरू करने की बात कही गई है। मिशनरीओ ने छोटा नागपुर पठार के क्षेत्र में आदिवासी धर्मांतरण का जो सपना 19 वीं सदी में देखा था, उसमें बिरसा मुंडा सबसे बड़े बाधक बने। षड्यंत्र कर 3 मार्च को बिरसा मुंडा को पकड़ लिया गया। इसमें उनके किसी अपने ने ही 500 रुपये के लालच में उनके गुप्त ठिकाने के बारे में प्रसाशन को सबकुछ बता दिया। उनके साथ पकड़े गए लगभग 400 लोगों को कई धारा के अंतर्गत दोषी बनाया गया। बिरसा पकड़े गए किंतु मई मास के अंतिम सप्ताह तक बिरसा और अन्य मुंडा वीरों के विरुद्ध केस तैयार नहीं हुआ था। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की बहुत सी धाराओं में मुंडा पकड़े गया थे, लेकिन बिरसा जानते थे कि उन्हें सजा नहीं होगी। 9 जून की सुबह सुबह उन्हें उल्टियाँ होने लगी, कुछ ही क्षण में वो बंदीगृह में अचेत हो गए। डॉक्टर को बुलाया गया उसने बिरसा मुंडा की नाड़ी देखी, वो बंद हो चुकी थी।

इतिहासकार कहते हैं कि अंग्रेज जानते थे कि बिरसा मुंडा कुछ ही दिनों में छूट जाएंगे, क्यों कि उनपर लगाई गई धाराओं के अंतर्गत उनके ऊपर दोष साबित नहीं किया जा सकता। वो ये भी जानते थे कि बिरसा मुंडा छूटने के बाद विद्रोह को वृहद रूप देंगे और तब यह अंग्रेजों के लिए और घातक होगा। इसलिए उन्होंने उनके दातुन/पानी मे विषैला पदार्थ मिला दिया।

आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है।

जनजातीय गौरव दिवस

भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 10 नवंबर 2021 आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में घोषित किया है।इस दिन को भारत के एक वीर स्वतंत्रता सेनानी को याद किया जाता है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संकल्प

सरदार साहब की ओजस्वी वाणी–स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के समीप ये भव्य कार्यक्रम एकता नगर का ये विहंगम दृश्य, और यहां हुई शानदार परफॉर्मेंस–ये मिनी इंडिया की झलक–सब कुछ कितना अद्भुत है, कितना प्रेरक है। 15 अगस्त और 26 जनवरी की तरह ही–31 अक्टूबर को होने वाला ये आयोजन पूरे देश को नई ऊर्जा से भर देता है।

इस बार का राष्ट्रीय एकता दिवस अद्भुत संयोग लेकर आया है। एक तरफ आज हम एकता का उत्सव मना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ दीपावली का भी पावन पर्व है। दीपावली, दीपों के माध्यम से, पूरे देश को जोड़ती है, पूरे देश को प्रकाशमय कर देती है। और अब तो दीपावली का पर्व भारत को दुनिया से भी जोड़ रहा है। अनेक देशों में इसे राष्ट्रीय उत्सव की तरह मनाया जा रहा है। मैं देश और दुनिया में बसे सभी भारतीयों को, भारत के शुभचिंतकों को, दीपावली की अनेक–अनेक शुभकामनाएं देता हूं।

इस बार का एकता दिवस एक और वजह से भी विशेष है। आज से सरदार पटेल का डेढ़ सौवां जन्म जयंती वर्ष शुरु हो रहा है। आने वाले 2 वर्षों तक देश, सरदार पटेल की डेढ़ सौवीं जन्म जयंती का उत्सव मनाएगा। ये भारत के प्रति, उनके असाधारण योगदान के प्रति देशवासियों की कार्यांजलि है। दो वर्ष का ये उत्सव–एक भारत, श्रेष्ठ भारत के हमारे संकल्प को मज़बूत करेगा। ये अवसर हमें सीख देगा कि असंभव से दिखने वाले काम को भी संभव बनाया जा सकता है। जब भारत को आज़ादी मिली थी, तो दुनिया में कुछ लोग थे, जो भारत के बिखरने का आकलन कर रहे थे, और अभी हमने सरदार साहब की वाणी में उसका विस्तार से बयान सुना। उन लोगों को ज़रा भी उम्मीद नहीं थी कि सैकड़ों रियासतों को एकजुट करके, फिर से एक भारत का निर्माण हो पाएगा। लेकिन सरदार साहब ने ये करके दिखाया। ये इसलिए संभव हुआ क्योंकि सरदार साहब – व्यवहार में यथार्थवादी –संकल्प में सत्यवादी–कार्य में मानवतावादी–और ध्येय में राष्ट्रवादी थे।

"राष्ट्रीय एकता दिवस"

आज हमारे पास छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा भी है। उन्होंने अक्रांताओं को खदेड़ने के लिए, सबको एक किया। ये महाराष्ट्र का रायगढ़ किला, आज भी साक्षात वो गाथा कहता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने रायगढ़ के किले से राष्ट्र के अलग–अलग विचारों को एक उद्देश्य के लिए एकजुट किया था। आज यहां एकता नगर में हम, रायगढ़ के उस ऐतिहासिक किले के, उसकी छवि हमारे सामने प्रेरणा का प्रतीक बनके खड़ी है। रायगढ़ किला, सामाजिक न्याय, देशभक्ति और राष्ट्र प्रथम के संस्कारों की पवित्र भूमि रहा है। आज इसी पृष्ठभूमि में हम विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए यहां एकजुट हुए हैं।

बीते 10 वर्ष तक, भारत की एकता और अखंडता के लिए ये कालखंड अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरा रहा है। आज सरकार के हर काम, हर मिशन में, राष्ट्रीय एकता की प्रतिबद्धता

दिखती है। इसका एक बड़ा उदाहरण है– हमारा ये एकता नगर–यहां स्टैच्यू ऑफ यूनिटी है–और इसके सिर्फ नाम में यूनिटी है ऐसा नहीं है, इसके निर्माण में भी यूनिटी है। इसको बनाने के लिए पूरे देश के कोने–कोने से, देश के किसानों के पास से, खेत में उपयोग किए हुए औजार का लोहा पूरे देश से यहां लाया गया, क्योंकि सरदार साहब लोहपुरूष थे, किसान पुत्र थे। इसलिए लोहा और वो भी खेत में उपयोग किए औजार वाला लोहा यहां लाया गया। यहां देश के हर कोने से वहां की मिट्टी लाई गई है। इसका निर्माण स्वयं में एकता की अनुभूति कराता है। यहां पर एकता नर्सरी बनी है। यहां विश्व वन है–जहां दुनिया के हर महाद्वीप के पेड़–पौधे हैं। यहां चिल्ड्रन न्यूट्रिशन पार्क है, जहां पूरे देश की हेल्दी फूड हैबिट्स के दर्शन एक ही जगह पर होते हैं। यहां आरोग्य वन है, जहां देश की अलग हिस्सों की आयुर्वेद परंपरा का, पौधों का समावेश है। इतना ही नहीं, यात्रियों के लिए यहां एकता मॉल भी है, जहां देशभर के हैंडिक्राफ्ट्स एक ही छत के नीचे मिलते हैं।

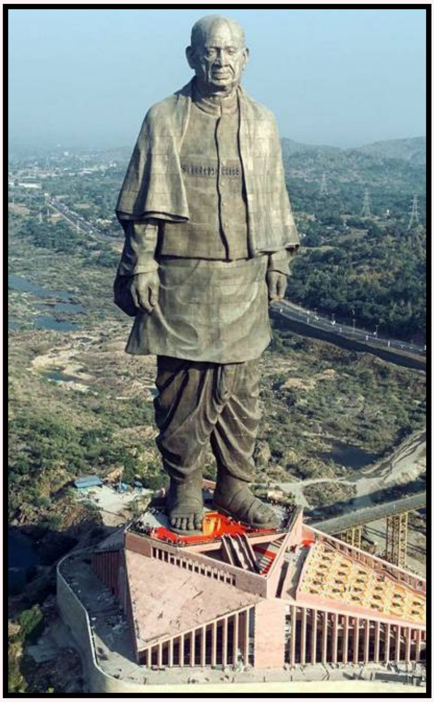

ये एकता मॉल सिर्फ यहीं पर है ऐसा नहीं, देश के हर राज्य की राजधानी में एकता मॉल के निर्माण को प्रोत्साहन दे रह हैं। एकता का यही संदेश हर वर्ष होने वाली एकता दौड़ से भी मज़बूत होता है।

एक सच्चे भारतीय होने के नाते, हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश की एकता के हर प्रयास को सेलीब्रेट करें, उत्सव, उमंग से भर दें। ऊर्जा, आत्मविश्वास, हर पल नए संकल्प, नई उम्मीद, नई उमंग यही तो सेलिब्रेशन है। जब हम भारत की भाषाओं पर बल देते हैं, उससे भी एकता की एक मजबूत कड़ी हमें जोड़ती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हमने भारतीय भाषाओं में पढ़ाई पर विशेष बल दिया है, और आप सबको पता है और देश ने गौरव भी अनुभव किया, दुनिया भर में उसे उत्सव के रूप में मनाया गया, वो कौन सा निर्णय था। हाल में ही, सरकार ने मराठी भाषा, बांग्ला भाषा, असमिया भाषा, पाली भाषा और प्राकृत भाषा, इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा दिया है। सरकार के इस फैसले का सभी ने दिल से स्वागत किया है। और हम हमारी भाषा को मातृ भाषा कहते हैं और जब मातृ भाषा का सम्मान होता है ना३तो हमारी अपनी माता का भी सम्मान होता है, हमारी धरती माता का सम्मान होता है, और भारत माता का सम्मान होता है। भाषा की तरह ही–आज देश भर में चल रहे कनेक्टिविटी के काम, जोड़ने के काम भी देश की एकता को मजबूत कर रहे हैं। रेल हो, रोड हो, हाईवे हो और इंटरनेट जैसे आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने, गांव को शहरों से जोड़ा है। जब कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट की राजधानियां रेल से जुड़ती हैं३जब लक्षद्वीप और अंडमान–निकोबार द्वीप अंडर–सी केबल से तेज इंटरनेट से जुड़ते हैं३जब पहाड़ों पर लोग मोबाइल नेटवर्क से जुड़ते हैं३तब विकास की दौड़ में पीछे छूट जाने का भाव समाप्त हो जाता है, आगे बढ़ने की नई ऊर्जा अपने आप जन्म लेती है। देश की एकता का भाव सशक्त होता है।

जब मातृ भाषा का सम्मान होता है ना तो हमारी अपनी माता का भी सम्मान होता है, हमारी धरती माता का सम्मान होता है, और भारत माता का सम्मान होता है।

पहले की सरकारों की नीतियों में और नीयत में भेदभाव का भाव भी देश की एकता को कमजोर करता रहा है। बीते 10 वर्षों में देश में सुशासन के नए मॉडल ने भेदभाव की हर गुंजाइश समाप्त की है३हमने सबका साथ, सबके विकास का रास्ता चुना है। आज हर घर जल इस योजना से बिना भेदभाव जल पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। आज पीएम किसान सम्मान निधि सबको मिलती है, तो सबको बिना भेदभाव मिलती है। आज पीएम आवास के घर मिलते हैं३तो सबको बिना भेदभाव मिलते हैं। आज आयुष्मान योजना का लाभ मिलता है३तो बिना भेदभाव हर पात्र व्यक्ति को इसका फायदा होता है३सरकार की इस अप्रोच ने समाज में, लोगों में दशकों से व्याप्त असंतोष को समाप्त किया है। इस वजह से लोगों का सरकार पर भरोसा बढ़ा है, देश की व्यवस्थाओं पर भरोसा बढ़ा है। विकास और विश्वास की यही एकता, एक भारत श्रेष्ठ भारत के निर्माण को गति देती है। और मुझे पूरा विश्वास है, हमारी हर योजना में, हमारी हर नीति में और हमारी नीयत में एकता हमारी प्राणशक्ति है३इसे देखकर के, सुनकर के सरदार साहब की आत्मा जहां भी होगी हमें अवश्य आशीर्वाद देती होगी।

पूज्य बापू महात्मा गांधी कहा करते थे....”विविधता में एकता को जीने के हमारे सामर्थ्य की निरंतर परीक्षा होगी...गांधी जी ने कहा था और आगे कहा था३इस परीक्षा को हमें हर हाल में पास करते रहना है”। बीते 10 साल में भारत ने विविधता में एकता को जीने के हर प्रयास में सफलता पाई है। सरकार ने अपनी नीतियों और निर्णयों में एक भारत की भावना को

लगातार मजबूत किया है। आज One Nation, One Identity...यानि आधार की सफलता हम सब देख रहे हैं और दुनिया इसकी चर्चा भी करती है। पहले भारत में अलग–अलग टैक्स सिस्टम थे। हमने One Nation, One Tax सिस्टम...GST बनाया। हमने One Nation, One Power Grid से देश के पावर सेक्टर को मजबूत किया, वरना एक वक्त था कही बिजली तो होती थी, कही अंधेरा होता था, लेकिन बिजली पहुंचाने के लिए हतपक टुकड़ों में बटी पड़ी थी, हमने One Nation, One Grid इस संकल्प को पूरा किया। हमने One Nation, One Ration Card से गरीबों को मिलने वाली सुविधाओं को एक साथ जोड़ दिया, एकीकृत किया। हमने आयुष्मान भारत के रूप में, One Nation, One Health Insurance की सुविधा देश के जन–जन को दी है।

एकता के हमारे इन प्रयासों के तहत ही, अब हम One Nation, One Election पर काम कर रहे हैं, जो भारत के लोकतंत्र को मजबूती देगा, जो भारत के संसाधनों का optimum outcome देगा, और देश विकसित भारत के सपने को पार करने में और नई गति प्राप्त करेगा, समृद्धि प्राप्त करेगा। भारत आज वन नेशन, वन सिविल कोड–यानि सेकुलर सिविल कोड की तरफ भी बढ़ रहा है। और मैंने लाल किले से इस बात का जिक्र किया था। इसके भी मूल में सामाजिक एकता सरदार साहब की बात ही हमारी प्रेरणा है। इससे अलग–अलग सामाजिक वर्गों में भेदभाव की जो शिकायत रहती है, उसे दूर करने में मदद मिलेगी, देश की एकता और मजबूत होगी, देश और आगे बढ़ेगा, देश एकता से संकल्पों का सिद्ध करेगा।

'विविधता में एकता को जीने के हमारे सामर्थ्य की निरंतर परीक्षा होगी'

आज पूरे देश को खुशी है कि आज़ादी के 7 दशक बाद, देश में एक देश, एक संविधान का संकल्प भी पूरा हुआ है, सरदार साहब की आत्मा को मेरी ये सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। देशवासियों को पता नहीं है 70 साल तक बाबा साहब अंबेडकर का संविधान पूरे देश में लागू नहीं हुआ था। संविधान का माला जपने वालों ने संविधान का ऐसा घोर अपमान किया–कारण क्या था–जम्मू–कश्मीर में आर्टिकल 370 की दीवार, आर्टिकल 370 जो देश में दीवार बनके खड़ी थी, संविधान को यहां रोक देती थी, वहां के लोगों के अधिकारों से उनको वंचित रखती थी, वो धारा 370 को हमेशा–हमेशा के लिए जमीन में गाड़ दिया गया है। पहली बार वहां इस विधानसभा चुनाव में बिना भेदभाव के वोट डाले गए। पहली बार जम्मू कश्मीर में मुख्यमंत्री ने आजादी के 75 साल के बाद पहली बार भारत के संविधान की शपथ ली है। ये दृश्य अपने आप में भारत के संविधान निर्माताओं को अत्यंत संतोष देता होगा, उनकी आत्मा को शांति मिलती होगी और ये भी संविधान निर्माताओं के प्रति हमारी नम्र श्रद्धांजलि हैं। मैं इसे भारत की एकता के लिए एक बहुत बड़ा और बहुत ही मजबूत पड़ाव मानता हूं। जम्मू कश्मीर की देशभक्त जनता ने, अलगाव और आतंक के बरसों पुराने एजेंडे को खारिज कर दिया है। उन्होंने भारत के संविधान को, भारत के लोकतंत्र को विजयी बनाया है। अपने–अपने वोट से 70 साल से चल रहे अपप्रचार को ध्वस्त कर दिया है। मैं आज राष्ट्रीय एकता दिवस पर जम्मू–कश्मीर के देशभक्त लोगों को, भारत के संविधान पर सम्मान करने वाले लोगों को बहुत ही आदरपूर्वक सैल्यूट करता हूं।

बीते 10 साल में भारत ने ऐसे अनेक मुद्दों का समाधान किया है, जो राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा थे। आज आतंकियों के आकाओं को पता है कि भारत को नुकसान पहुंचाया३तो भारत उन्हें छोड़ेगा नहीं। आप नॉर्थ ईस्ट में देखिए, कितने बड़े संकट थे। हमने संवाद से३विकास और विश्वास से, अलगाव की आग को शांत किया। बोडो समझौते ने असम में 50 सालों का विवाद खत्म किया है। ब्रू–रियांग एग्रीमेंट इसके कारण हज़ारों विस्थापित लोग अनेक दशकों के बाद अपने घर लौटे हैं। National Liberation Front of Tripura से हुए समझौते ने, लंबे समय से चल रही अशांति खत्म की है। असम और मेघायल के बीच के सीमा विवाद को काफी हद तक हम सुलझा चुके हैं।

जब 21वीं सदी का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें एक स्वर्णिम अध्याय होगा कि कैसे भारत ने दूसरे और तीसरे दशक में नक्सलवाद जैसी भयानक बीमारी को जड़ से उखाड़कर दिखाया, उखाड़कर के फेंका। आप याद करिए वो समय जब नेपाल के पशुपति से भारत के तिरुपति तक, रेड कॉरिडोर बन चुका था। जिस जनजातीय समाज ने भगवान बिरसा मुंडा जैसे देशभक्त दिए–जिन्होंने हमारे सीमित संसाधनों के बावजूद भी देश के हर कोने में मेरे आदिवासी भाई–बहनों ने आजादी के लिए अंग्रेज़ों का मुकाबला किया–ऐसे जनजातीय समाज में सोची–समझी साजिश के तहत नक्सलवाद के बीज बोये गए, नक्सलवाद की आग भड़काई गई। ये नक्सलवाद, भारत की एकता और अखंडता के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया था। मुझे संतोष है कि बीते 10 साल के अथक प्रयासों से आज नक्सलवाद भी भारत में अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। आज मेरा आदिवासी समाज उसे भी दशकों से जो प्रतीक्षा थी, वो विकास उसके घर तक पहुंच रहा है, और बेहतर भविष्य का विश्वास भी पैदा हुआ है। आज हमारे सामने एक ऐसा भारत है। जिसके पास दृष्टि भी है, दिशा भी है, इतना ही नहीं इसके साथ जो जरूरी है। दृष्टि हो, दिशा हो लेकिन उसे जरूरत होती है दृढ़ता की। आज देश के पास दृष्टि है, दिशा है और दृढ़ता भी है। ऐसा भारत–जो सशक्त भी है, ऐसा भारत जो समावेशी भी है, ऐसा भारत जो संवेदनशील भी है, ऐसा भारत जो सतर्क भी है, जो विनम्र भी है और विकसित होने की राह पर भी है, ऐसा भारत जो शक्ति और शांति दोनों का महत्व जानता है। दुनियाभर में मची भारी

उथल–पुथल के बीच–सबसे तेज़ गति से विकास करना, ये सामान्य बात नहीं है। जब अलग–अलग हिस्सों में युद्ध हो रहे हों३तब युद्ध के बीच बुद्ध के संदेशों का संचार करना सामान्य नहीं है। जब दुनिया के अलग–अलग देशों में रिश्तों का संकट है..तब भारत का विश्वबंधु बनकर उभरना, सामान्य नहीं है। जब दुनिया में एक देश की दूसरे देश से दूरी बढ़ रही है–तब दुनिया के देश–भारत से निकटता बढ़ा रहे हैं। ये सामान्य नहीं है–ये नया इतिहास रचा जा रहा है। आखिर भारत ने ऐसा क्या किया है? आज दुनिया देख रही है कि भारत कैसे अपने संकटों का दृढ़ता के साथ समाधान कर रहा है। आज दुनिया देख रही है कि भारत कैसे एकजुट होकर, दशकों पुरानी चुनौतियों को समाप्त कर रहा है – और इसलिए हमें इस महत्वपूर्ण समय पर अपनी एकता को सहेजना है, उसे संभालना है। हमने एकता की जो शपथ ली है। उसे बार–बार याद करना है, उस शपथ को जीना है, जरूरत पड़े तो उस शपथ के लिए जूझना है। हर पल इस शपथ के भाव को अपने झोम से भरते रहना है। भारत के बढ़ते सामर्थ्य से३भारत में बढ़ते एकता के भाव से कुछ ताकतें, कुछ विकृत विचार, कुछ विकृत मानसिकताएं, कुछ ऐसी ताकतें बहुत परेशान है। भारत के भीतर और भारत के बाहर भी ऐसे लोग भारत में अस्थिरता, भारत में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वो भारत के आर्थिक हितों को चोट पहुंचाने में जुटी है। वो ताकतें चाहती हैं कि दुनियाभर के निवेशकों में गलत संदेश जाए, भारत की नेगेटिव छवि उभरे–ये लोग भारत की सेनाओं तक को टारगेट करने में लगे हैं, मिस इनफॉरमेशन कैंपेन चलाए जा रहे हैं। सेनाओं में अलगाव पैदा करना चाहते हैं। ये लोग भारत में जात–पात के नाम पर विभाजन करने में जुटे हैं। इनके हर प्रयास का एक ही मकसद है– भारत का समाज कमज़ोर हो–भारत की एकता कमजोर हो। ये लोग कभी नहीं चाहते की भारत विकसित हो३क्योंकि कमजोर भारत की राजनीति। गरीब भारत की राजनीति ऐसे लोगों को सूट करती है। 5–5 दशक तक इसी गंदी, घिनौनी राजनीति, देश को दुर्बल करते हुए चलाई गई। इसलिए ये लोग संविधान और लोकतंत्र का नाम लेते हुए भारत के जन–जन के बीच में भारत को तोड़ने का काम कर रहे हैं। अर्बन नक्सलियों के इस गठजोड़ को, इनके गठजोड़ को हमें पहचानना ही होगा, और मेरे देशवासियों जंगलों में पनपा नक्सलवाद, बम–बंदूक से आदिवासी नौजवानों को गुमराह करने वाला नक्सलवाद जैसे–जैसे समाप्त होता गया। अर्बन नक्सल का नया मॉडल उभरता गया। हमें देश को तोड़ने के सपने देखने वाले, देश को बर्बाद करने के विचार को लेकर के चलने वाले, मुंह पर झूठे नकाब पहने हुए लोगों को पहचानना होगा, उनसे मुकाबला करना ही होगा।

सरदार साहब कहते थे- भारत का सबसे बड़ा लक्ष्य, एकजुट और मज़बूती से जुड़ी शक्ति बनने का होना चाहिए।

आज हालत ये हो गई है कि आजकल एकता की बात करना तक गुनाह बना दिया गया है। एक समय था, जब हम बड़े गर्व के साथ स्कूल, कॉलेज में, घर में, बाहर सहज रूप से एकता के गीत गाते थे। जो पुराने लोग हैं उनको पता हैं, हम क्या गीत गाते थे। हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं। रंग–रूप वेश–भाषा चाहे अनेक हैं। ये गीत गाए जाते थे। आज की तारीख में कोई ये गीत गाएगा, तो उसको अर्बन नक्सलों की जमात गालियां देने का मौका पकड़ेगी। और आज कोई अगर कह दे कि एक हैं तो सेफ हैं। तो ये लोग एक हैं तो सेफ हैं उसको भी गलत तरीके से परिभाषित करने लगेंगे। जो लोग देश को तोड़ना चाहते हैं, जो लोग समाज को बांटना चाहते हैं, उन्हें देश की एकता अखर रही है। और इसलिए मेरे देशवासियों हमें ऐसे लोगों से, ऐसे विचारों से, ऐसी प्रवृत्ति से, ऐसी वृत्ति से पहले से भी ज्यादा सावधान होने की जरूरत है, हमें सावधान रहना है।

हम सब सरदार साहब को उनके विचारों को जीने वाले लोग हैं। सरदार साहब कहते थे– भारत का सबसे बड़ा लक्ष्य, एकजुट और मज़बूती से जुड़ी शक्ति बनने का होना चाहिए। हमें याद रखना है, हिंदुस्तान विविधता वाला देश है। हम विविधता को सेलिब्रेट करेंगे, तभी एकता मज़बूत होगी। आने वाले 25 साल एकता के लिहाज से बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, एकता के इस मंत्र को हमें कभी भी कमजोर नहीं पड़ने देना है, हर झूठ का मुकाबला करना है, एकता के मंत्र को जीना है–और ये मंत्र, ये एकता ये तेज आर्थिक विकास के लिए भी, विकसित भारत बनाने के लिए, समृद्ध भारत बनाने के लिए बहुत जरूरी है। ये एकता सामाजिक सद्भाव की जड़ी–बूटी है, सामाजिक सद्भाव के लिए ये बहुत जरूरी है। अगर हम सच्चे सामाजिक न्याय को समर्पित है, सामाजिक न्याय हमारी प्राथमिकता है तो एकता सबसे पहली पूर्व शर्त है। एकता बनाए रखना है।

"संकल्प पत्र पत्थर पर खिंची लकीर"

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 'संकल्प पत्र विमोचन'

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुंबई में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भजपा के "संकल्प पत्र" का विमोचन किया। इस अवसर पर श्री शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में जब भी भाजपा के नेतृत्व वाली महायुती की सरकार बनती है, तो महाराष्ट्र आगे बढ़ता है और जब कांग्रेस नेतृत्व वाली अघाड़ी (एमवीए) की सरकार आती है, तो केवल तुष्टिकरण की राजनीति और भ्रष्टाचार बढ़ता है। कार्यक्रम के दौरान मंच पर महाराष्ट्र भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री चंद्रकांत बावनकुले, राष्ट्रीय महामंत्री श्री विनोद तावड़े, केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस, पूर्व राज्यसभा सांसद श्री विनय सहस्रबुद्धे, भाजपा के अध्यक्ष श्री आशीष शेलार सहित अन्य प्रदेश भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री शाह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र पूरे महाराष्ट्र की जनता के आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। महाराष्ट्र सालों से हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर रहा है, एक समय जरूरत पड़ने पर भक्ति आंदोलन की भी शुरुआत महाराष्ट्र से हुआ, मुगलों के खिलाफ आंदोलन भी शिवाजी महाराज ने इसी महाराष्ट्र की भूमि से किया। जरूरत पड़ने पर सामाजिक क्रांति की शुरुआत भी इसी महाराष्ट्र की भूमि से की गई है। महाराष्ट्र में भाजपा की महायुती सरकार ने किसानों की सम्मान, गरीबों का कल्याण, महिलाओं का स्वाभिमान बढ़ाने की योजनाओं के साथ विरासतों का पुनरुत्थान करने का संकल्प लिया है। हाल ही में सम्पन्न जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों में आजादी के बाद पहली बार मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान के अनुरूप शपथ ली है। यह बाबा साहेब अंबेडकर के प्रति सच्ची और सर्वोत्तम श्रद्धांजलि मानी जा सकती है। धारा 370 के हटाए जाने के बाद पहली बार जम्मू–कश्मीर में भारत के संविधान की शपथ लेकर सरकार बनी है और इस पर पूरे देश को नाज़ है। भाजपा ने अपने "संकल्प पत्र" के माध्यम से महापुरुषों की परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासतों को संजोने और आगे बढ़ाने के संकल्प भी लिया है।

कांग्रेस की पूर्व की महा अघाड़ी सरकारों द्वारा महाराष्ट्र में विकास के नाम पर अराजकता और भ्रष्टाचार राज दी गयी है। वहीं भाजपा की महायुती सरकार एक समृद्ध एवं सुरक्षित महाराष्ट्र बनाया है और भाजपा के संकल्प पत्र में विकसित महाराष्ट्र बनाने की योजना है। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों में महायुती का मुकाबला सत्ता के लालच में तुष्टीकरण, विचारधाराओं का अपमान एवं महाराष्ट्र की संस्कृति से छल करके केवल सत्ता प्राप्ति के लिए आगे बढ़ने वाली कांग्रेस की

महा अघाड़ी गठबंधन है। पिछले दोनों विधानसभा चुनावों में महायुती को महाराष्ट्र की जनता ने आशीर्वाद दिया है और तीसरी बार भी आपको ये आशीर्वाद महायुती को देना है। वर्ष 2014 में महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा और महायुती को मैन्डेट दिया, 2019 में महाराष्ट्र की जनता का आशीर्वाद भाजपा और महायुती के लिए ही था लेकिन सत्ता के लालच में जनादेश को नकारा गया और आंकड़ों का बनावटी बंटवारा किया गया, लेकिन बनावटी चीजें ज्यादा देर तक चलती नहीं है जिस कारण बनावटी सरकार गिरी और पुनः असली महायुती की सरकार बनी। उन्होंने कहा कि महायुती एकमुश्त और एकजुट होकर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सिद्धांतों के आधार पर महाराष्ट्र के कल्याण के लिए आगे बढ़ा रही है और दूसरी तरफ जो महाविकास अघाड़ी वाले सरकार बनाने का दावा कर रहे है औइर उनके खुद के पार्टी के अंदर आंतरिक विरोधाभास का चुनावी अभियान जारी है।

श्री शाह ने उद्धव ठाकरे और कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या वे राहुल गांधी से वीर सावरकर के लिए दो अच्छे शब्द बोलने की विनती भी कर सकते हैं? क्या कांग्रेस पार्टी का कोई भी नेता सम्मानीय बालसाहेब ठाकरे जी के लिए 2 वाक्य सम्मान के साथ बोल सकता है? इस आंतरिक अंतर्विरोध के बावजूद जो महा आघाडी वाले सरकार बनाने का स्वप्न देख रहे है इनकी राजनैतिक लालसा से महाराष्ट्र की जनता को अवगत हो जाना चाहिए। भाजपा जब संकल्प करती है तो वे पत्थर पर लिखी लकीर की तरह होती है, पूरे देश ने देखा है चाहे केंद्र में हो या राज्य में भाजपा ने अपने लिए हुए संकल्पों को हमेशा पूर्ण किया है। कोई मानने को तैयार नहीं था की कश्मीर से धारा 370 हटेगी लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए ने जम्मू–कश्मीर से धारा 370 को हटाया। कोई नहीं मानता था कि सीएए आएगा, यूसीसी लागू होगा, ट्रिपल तलाक का खात्मा होगा लेकिन हमने इन मुद्दों पर फैसला लिया। देश में कई लोग थे जो राम मंदिर के निर्माण को लेकर भी अनिश्चित थे, लेकिन 500 वर्षों के बाद आज अपनी जन्मभूमि पर ही भगवान श्री राम विराजमान है।

मोदी सरकार ने मात्र 10 वर्ष के भीतर ही भारत के अर्थतंत्र को 11वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंचा दिया है, भाजपा सरकार 2027 तक भारत को विश्व का तीसरा बड़ा अर्थतंत्र बनाने के लिए कार्य कर रही है। देश में करीब 60 करोड़ गरीबों को घर, गैस सिलेंडर, शौचालय, बिजली, पीने का पानी, मुफ्त अनाज और मुफ्त इलाज मुहैया कराया जा रहा है। दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी है, जिसमें कांग्रेस के अध्यक्ष को यह कहना पड़ता है कि वादे सोच–समझकर किया करो, पूरे नहीं होते तो मुझे जवाब देना पड़ता है। कांग्रेस हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में अपने किए हुए सभी वादों से मुकर गई। महाविकास अघाड़ी के वादों की विश्ववसनीयता पाताल से भी नीचे चली गई है, लेकिन महायुति के वादों पर महाराष्ट्र सहित पूरे देश को भरोसा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में जिस "संविधान की प्रति" लेकर संविधान की शपथ ली, जिस संविधान के प्रति को लहराकर वे बाबा साहेब अंबेडकर के संकल्पों को याद किया, जब प्रेस के व्यक्ति ने उस "संविधान की प्रति" को खोलकर देखा, तो वह पूरा कोरा (खाली पेज) निकला। 76 वर्ष के आजाद भारत में संविधान का इससे बड़ा अपमान कभी नहीं हुआ। कांग्रेस ने संविधान, संविधान सभा और बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान किया है। उलेमाओं की संस्था ने मुसलमानों को 10% आरक्षण देने की मांग की और महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने इसे स्वीकार कर लिया। महाराष्ट्र सहित देश की जनता एससी, एसटी, ओबीसी, दलित, पिछड़ा और आदिवासी का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देने के पक्ष में नहीं है। महाराष्ट्र की जनता कांग्रेस को अपने मंसूबों में कभी कामयाब नहीं हों देगी। कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले ही यह वादा कर दिया है, जबकि भारतीय संविधान के तहत किसी भी प्रकार का आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं दिया जा सकता, महाराष्ट्र की जनता को यह सब ध्यान में रखना होगा।

भाजपा का संकल्प पत्र जनता की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब और सांस्कृतिक विरासतों को सहेजते हुए एक मजबूत, समृद्ध व सुरक्षित महाराष्ट्र बनाने का संकल्प है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि उद्धव ठाकरे आज धारा 370 के निरस्तीकरण तथा राम मंदिर निर्माण का विरोध करने, वीर सावरकर जी के लिए अपशब्द कहने, संभाजी नगर नाम का विरोध करने,

सीएए और यूसीसी का विरोध करने और वक्फ बोर्ड में होने वाले सुधारों के प्रस्तावित बिल का विरोध करने वालों के साथ बैठे हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, संसद में वक्फ बोर्ड में सुधार का बिल लेकर आए। कांग्रेस राज के दौरान 2013 में वक्फ बोर्ड कानून में किए गए संशोधन का ही परिणाम है कि कर्नाटक में एक पूरा गांव वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित कर दिए गए। किसानों की जमीन और मंदिर तक वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिए गए। जब मोदी सरकार इस कानून में में बदलाव कर चाहती है, तो महाविकास अघाड़ी उसका विरोध कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव का विरोध करने का मतलब है कि आने वाले समय में महाराष्ट्र में भी किसी की भी संपत्ति को वक्फ बोर्ड अपना घोषित कर सकता है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार ने पिछले 10 वर्षों में महाराष्ट्र के विकास के लिए ढेर सारे कार्य किए हैं। एनसीपी (शरद गुट) के प्रमुख शरद पवार 2004–14 तक यूपीए सरकार में मंत्री रहे, उन्होंने महाराष्ट्र की जनता के लिए क्या कार्य किए, उन्हें इसका हिसाब देना चाहिए? यूपीए सरकार ने 10 साल में महाराष्ट्र को 1 लाख 91 हजार 384 करोड़ रुपए दिए थे, लेकिन मोदी सरकार ने बीते 10 वर्षों में महाराष्ट्र को 10 लाख 15 हजार 890 करोड़ रुपए प्रदान किए। 10 साल केंद्र और राज्य में यूपीए की सरकार होने के बावजूद महराष्ट्र को लगभग 2 लाख करोड़ रुपए दिए गए, जबकि केंद्र और राज्य में एनडीए की सरकार होते हुए, महाराष्ट्र को 10 लाख करोड़ से भी ज्यादा रुपए प्रदान किए गए। यह महायुति और महाविकास अघाड़ी में अंतर को स्पष्ट करता है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने महाराष्ट्र के सिंचाई नेटवर्क को निलवड़े बांध, घोसीखुद, टेम्पू और जलयुक्त शिवहर जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य की भूमि में सिंचाई क्षेत्र 30% तक बढ़ गया है। नदियों को जोड़ने के लिए नारपार्क, दबन गंगा, गोदावरी और वैटराणा का विकास करने का कार्य किया गया। महाराष्ट्र में 11 वंदे भारत ट्रेन लोगों को सेवा प्रदान कर रही है और 128 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। मुंबई, पुणे और नागपुर में मेट्रो का विस्तार किया गया। शिरडी और सिंहदुर्ग में नए हवाई अड्डे और टर्मिनल बनाए गए। 13 हजार करोड़ की लागत से बांद्रा–वर्ली से सी–लिंक जोड़ने वाले मुंबई कॉस्टल रोड का निर्माण किया गया। वाशीपुर का विस्तारीकरण किया गया और मेट्रो निर्माण फेज 1 का निर्माण समाप्त हुआ। अटल सेतु ट्रांस हार्बर लिंक का निर्माण किया गया और 76 हजार करोड़ रुपए की लागत से वाधवान बंगरगाह के निर्माण का सैद्धांतिक निर्णय लिया गया। यह एशिया का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा क्षमता वाला बंदरगाह होगा।

श्री शाह ने कहा कि बहन गंगा–नल गंगा इंटरलिंक परियोजना और कोसी–खुर्द परियोजना के माध्यम से नागपुर, वर्धा, अमरावती, यवतमाल, अकोला और बुलढाणा जिलों के 3 लाख 71 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने का काम करेगी। 85 हजार करोड़ की यह परियोजना से विदर्भ की प्यासी धरती को बहुत बड़ा फायदा होने वाला है, जिसे 10 वर्षों के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। 2200 करोड़ की लागत से खड़कवासला बांध से धुड़सूंघी तक 34 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने का निर्णय किया गया है। 2024 में सोलाहपुर हवाई अड्डे का उद्घाटन हुआ और कोलाहपुर में नए टर्मिनल बनाए गए। पालघर जिले में बहुउद्देशिय बंदरगाह बनाने का निर्णय किया गया है। 13 हजार करोड़ के निवेश के साथ 2800 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाले 2 हाइड्रो पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट शुरू किए गए और 2 जिलों में 1 हजार मेगावाट की परियोजनाओं को शुरू किया गया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि महाविकास अघाड़ी झूठा प्रचार कर रही है कि महाराष्ट्र में निवेश नहीं आ रहा है। जब कुछ समय के लिए राज्य में महाविकास अघाड़ी की सरकार चली, तो राज्य निवेश में पिछड़ गया था और एफ़डीआई में चौथे स्थान तक फिसल गया था। महायुती की सरकार बनने के बाद महाराष्ट्र दोनों वर्षों में सबसे ज्यादा एफ़डीआई प्राप्त करने वाला प्रथम राज्य बना। शरद पवार द्वारा बनाए गए मुद्दों का सच्चाई से दुर–दूर तक कोई नाता नहीं है। महाविकास अघाड़ी की झूठा नैरेटिव खड़ाकर नकली जनादेश लेने की आदत, इस बार सफल नहीं होने वाली है। महाराष्ट्र की जनता महायुति के पक्ष में स्पष्ट जनादेश देने वाली है।

संकल्प पत्र के मुख्य बिंदु:

- ⇨ लाडली बहन योजना एवं वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि की जाएगी।
- ⇨ किसानों के ऋण माफी सहित उन्हें मिलने वाले

किसान सम्मान निधि को 12 हज़ार रुपए से बढ़ाकर 15 हज़ार रुपए सालाना किया जाएगा।

- मूल्य स्थिरीकरण कोष के माध्यम से महंगाई को काबू किया जाएगा।
- 10 लाख प्रतिभावान छात्रों को मासिक 10 हज़ार रुपए का मानदेय दिया जाएगा।
- 45 हज़ार गाँव में सड़क बनाई जाएगी।
- आशा वर्करों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का बीमा किया जाएगा और सभी का मासिक वेतन भी 15 हजार रुपए तक बढ़ाया जाएगा।
- वर्ष 2028 तक महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य महायुति सरकार करेगी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य वाले भारत के अर्थतंत्र में 1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान आने वाले समय में महाराष्ट्र करेगा।
- मेक इन महाराष्ट्र नीति के तहत प्रमुख उत्पादन वाले राज्य के तौर पर महाराष्ट्र को विकसित करेंगे।
- महाराष्ट्र में देश का पहला AI . विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा।
- नागपूर, पुणे, संभाजीनगर, अहिल्यानगर एवं नासिक में वैमानिकी और अंतरिक्ष केंद्र बनाए जाएंगे।
- किसानों की आय बढ़ाने के लिए एसजीसटी के ऊपर छूट सहित सब्सिडी के रूप में पुनः किसानों को भुगतान की गई एसजीसटी लौटाई लाएगी।
- सोयाबीन पर प्रति क्विंटल 6000 रुपए की एमएसपी प्रदान की जाएगी और सोयाबीन प्रोसेसिंग यूनिट लगाई जाएगी।
- आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के महिलाओं को आर्थिक मजबूती प्रदान करने वाली लखपति दीदी योजना को आगे बढ़ाते हुए महायुति सरकार महराष्ट्र में 50 लाख लखपति दीदी बनाएगी, जिसके लिए 500 स्वयं सहायता समूह को प्रशिक्षित किया जाएगा।

- कई औद्योगिक तंत्र बनाए जाएंगे, जिसके लिए 1 हज़ार करोड़ रुपए का फंड हर वर्ष दिया जाएगा।
- अक्षय अन्न योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाले मुफ़्त राशन में चावल, ज्वार, मूंगफली, तेल, नमक, हल्दी, सरसों, जीरा और मसालों को सम्मिलित किया जाएगा।
- कौशल जनगणना का सबसे पहला प्रयोग महाराष्ट्र में किया जाएगा और प्रतिभा के अनुसार उचित अवसर प्रदान किए जाएंगे।
- छत्रपति शिवाजी महाराज आकांक्षा केंद्र बनाएंगे, जिससे 10 लाख नए उद्यमियों का निर्माण होगा।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों से आने वाले लोगों को उद्यमी व्यवसाय लगाने के लिए 15 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।
- ओबीसी, एसईबीसी, ईडब्ल्यूएस, एनटी और वीजेएनटी के पात्र विद्यार्थियों को शिक्षा शुल्क और परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी।
- महाराष्ट्र में मौजूद राज्य के गौरव के प्रतीक किलो को संरक्षण के लिए किला विकास प्राधिकरण बनाया जाएगा।
- वृद्धजनों के लिए प्राथमिकता नीति अपनाई जाएगी, जिसके लिए आधार सक्षम सेवा नीति वितरण को लागू किया जाएगा।
- जबरन और धोखाधड़ी कर धर्मांतरण के खिलाफ एक मजबूत कानून बनाया जाएगा।
- कृषि एवं मानव बस्ती क्षेत्रों में वन्यजीवों के कारण होने वाली जान–माल की हानि को रोकने तथा मानव–पशु संघर्ष को कम करने के लिए ।ए, ड्रोन और रेडियो कॉलर जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जाएगा।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री शाह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र महाराष्ट्र के हर वर्ग, क्षेत्र, आयु और सामाजिक वर्ग के सुझावों को लेकर बनाया गया है।

100 जन्म शताब्दी वर्ष

राष्ट्रवादी जनसेवक स्व० राम प्रकाश गुप्त

देश के सबसे बड़ी विधान सभा वाला राज्य, उत्तर प्रदेश के 18वें मुख्यमंत्री श्री राम प्रकाश का जन्म 01 नवम्बर, 1924 को उत्तर प्रदेश में बुंदेलखण्ड के झाँसी ज़िले के ग्राम सुकवाँ ढुकुआ में हुआ था। बाद के दिनों में वे बुलन्दशहर जिले के सिकन्दराबाद नगर में रहने लगे और यहीं से इन्होंने हाईस्कूल स्तर तक की शिक्षा अर्जित की। उच्च शिक्षा के लिए इलाहाबाद गए और 'इलाहाबाद विश्वविद्यालय' से एम०एस०सी० गणित की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।

श्री राम प्रकाश विद्यार्थी जीवन से ही 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े गए और विद्यार्जन के बाद वे पूरी तरह से संघ के कार्य में लग गये। वर्ष 1942 के आंदोलन में अध्ययन के बीच में ही उन्होंने बलिया जिले में स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। वर्ष 1943 में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ प्रयाग में प्रवेश लिया और वर्ष 1946 से 1952 तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में कार्य किया।

वर्ष 1948 में श्री राम प्रकाश ने 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघठन' पर से प्रतिबंध हटाने के लिए प्रयाग में सत्याग्रह किया जिसके लिए उन्हें जेल जाना पड़ा। वर्ष 1954 में उन्होंने गौ हत्या निरोध समिति के सदस्य के रूप में विधान भवन के सम्मुख सत्याग्रह का संचालन किया। वर्ष 1975 में भी उत्तर प्रदेश में आपात के विरुद्ध सत्याग्रह हुआ, जिसमें उन्हें प्रथम सत्याग्रही के रूप में गिरफ्तार किया गया। आपात काल के दौरान उन्हें मीसा में निरूद्ध कर नवम्बर, 1975 से मार्च, 1977 तक केन्द्रीय कारागार नैनी में रखा गया। वर्ष 1956 में श्री राम प्रकाश भारतीय जनसंघ के संगठन मंत्री नियुक्त किये गये और उन्हें उत्तर प्रदेश के मध्य भाग के दस जिलों का कार्यभार सौंपा गया, जिसमें लखनऊ भी था। वे 1973–1974 में भारतीय जनसंघ के प्रदेश अध्यक्ष बने। वर्ष 1960 में एक विशिष्ट सदस्य के रूप में निर्वाचित होकर वे लखनऊ नगर महापालिका में जनसंघ दल के नेता के रूप में नियुक्त हुए। वे वर्ष 1964 से 1965 तक नगर महापालिका के उप नगर प्रमुख पद पर निर्वाचित हुये। उन्होंने अपनी प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रशासनिक क्षमता के बल पर लखनऊ नगर के विकास के लिये अनेक उल्लेखनीय कार्य किये।

श्री राम प्रकाश 5 मई, 1964 को भारतीय जनसंघ के टिकट पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य निर्वाचित हुए और 5 मई, 1970 तक विधान परिषद के सदस्य रहे।

चौधरी चरण सिंह की संयुक्त विधायक दल सरकार में उन्हें अप्रैल, 1967 में शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, हरिजन तथा समाज कल्याण, सांस्कृतिक कार्य एवं अनुसंधान और 10 दिसम्बर, 1967 से परिवहन तथा पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व सौंपा गया। 13 अप्रैल, 1967 से 25 फरवरी, 1968 तक वे उत्तर प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री पद पर भी रहे। उन्होंने अपने इस कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में, राज्य की शिक्षा व्यवस्था में रचनात्मक सुधार हेतु अनेक निर्णय लिये एवं शिक्षकों को बैंक से वेतन भुगतान करने का निर्णय लिया।

आपातकाल के बाद जून, 1977 के सामान्य निर्वाचन में जनता पार्टी के टिकट से पहली बार श्री राम प्रकाश लखनऊ के मध्य क्षेत्र से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुये। श्री राम नरेश यादव के मंत्रिमण्डल में 23 जून, 1977 से 11 फरवरी, 1979 तक उन्होंने भारी उद्योग, लघु उद्योग, हैण्डलूम तथा हैन्डीक्राफ्ट विभाग तथा 15 सितम्बर, 1977 से 11 फरवरी, 1979 तक ग्रामीण उद्योग विभागों में अपना योगदान दिया।

वे वर्ष 1990 में भारतीय जनत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य चुने गए। वर्ष 1993 में लखनऊ मध्य क्षेत्र से श्री राम प्रकाश दूसरी बार विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुये। 11 मार्च, 1998 को उत्तर प्रदेश के योजना आयोग के उपाध्यक्ष पद का महत्वपूर्ण दायित्व उन्हें मिला।वर्ष 1999 में उत्तर प्रदेश की राजनीतिक घटनाक्रमों के फलस्वरूप वे 12 नवम्बर, 1999 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और 11 माह तक इस पद पर आसीन रहे। 25 अक्टूबर 2000 को उन्होंने मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया।06 मई, 2000 को वे दूसरी बार विधान परिषद के सदस्य चुने गए। विधान परिषद के सदस्य के रूप में वे वर्ष 2001 से 2003 तक विधान परिषद की उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की विद्युत स्थाई समिति, उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विधान मण्डल सदस्यों के आवासीय परिवाद सम्बन्धी जाँच समिति, आश्वासन समिति, विनिश्चय संकलन समिति जैसी महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य भी रहे।

श्री राम प्रकाश जी 7 मई, 2003 को मध्य प्रदेश के तेरहवें राज्यपाल के पद पर नियुक्त हुए। इस पद पर वे 1 मई, 2004 तक रहे। राज्यपाल के पद पर रहते हुए 1 मई, 2004 को उनका निधन हो गया।

विनम्र श्रद्धांजलि

चुनाव चिन्ह

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91, शीर्षक कोडः UPHIN16701, डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2024-26
नवम्बर प्रथम अंक 2024 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित।